राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 19 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-180 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खूंटी से चार नक्सली गिरफ्तार, पुलिस ने किया हथियार समेत गोला-बारुद बरामद

रांची (एजेंसी)। खूंटी जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के 04 सदस्यों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार लोगों में कुख्यात नक्सली ओझा पाहन भी शामिल है, जिसकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से हथियार, गोला-बारूद, पेट्रोल भरी बॉटल और मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार खुफिया सूचना पुलिस को मिली थी कि पीएलएफआई के सदस्य खूंटी और आसपास के इलाकों में सरकारी ठेकेदारों को धमकाकर जबरन वसूली में लगे हुए हैं। सूचना के आधार पर तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा की अगुवाई में रविवार देर रात रानिया के जिबिलोंग टांगरी क्षेत्र में छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने मौके से ओझा पाहन समेत चार नक्सलियों को धर-दबोचा। इस संबंध में खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि ओझा पाहन खूंटी, रांची और गुमला जिलों के अलग-अलग थानों में करीब 10 मामलों में वांछित रहा है। इसके साथ ही ओझा पाहन पहले भी वाहनों में आग लगाने और ठेकेदारों को धमकाने के आरोप में जेल जा चुका है। पाहन गुमला का रहने वाला है और वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। गिरफ्तार किए गए अन्य तीन नक्सलियों की पहचान जेवियर कोंगाडी (29), संतोष कोंगाडी (27) और जिबुनस आइंद (31) के तौर पर हुई है। सभी आरोपी खूंटी जिले के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों से दो हथियार, कारतूस, नक्सली साहित्य समेत मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ के साथ ही अन्य सक्रिय नक्सलियों की तलाश में जुटी हुई है।

शिवराज ने किया खेत का औचक निरीक्षण, किसानों की जली फसल देख जताई नाराज़गी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले के छीरखेड़ा गाँव में सोयाबीन के खेतों का औचक निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री को शिकायत मिली थी कि खरपतवार नाशक दवा डालने से किसानों की सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। कृषि मंत्री चौहान, अचानक खेतों में पहुँचे और सैकड़ों किसानों और कृषि विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने पाया कि खेतों में सोयाबीन की जगह खरपतवार खड़े हैं और पूरी फसल जल चुकी है। किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह नुकसान एचपीएम कंपनी की दवा डालने से हुआ है। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ एक खेत तक सीमित नहीं है, बल्कि कई किसानों ने ऐसी शिकायतें की हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि इस मामले में की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय वैज्ञानिकों का दल प्रभावित खेतों का निरीक्षण करेगा और जांच कर दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं - केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दोहराया कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) आधारित डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का लेनदेन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह बयान डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और इसे उपयोगकर्ताओं के लिए किफायती बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया, 'भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 की धारा 10ए के तहत, यूपीआई जैसे इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर कोई भी बैंक या सिस्टम प्रदाता शुल्क नहीं लगाएगा।' केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269एसयू के तहत शुल्क-मुक्त भुगतान माध्यमों के रूप में अधिसूचित किया है।

यूपीआई की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक प्रोत्साहन योजना लागू की। इस दौरान, इकोसिस्टम पार्टनर्स को लगभग 8,730 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन समर्थन प्रदान किया गया।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2017-18 में 92 करोड़ लेनदेन से शुरू होकर, वित्त वर्ष 2024-25 में यह 18,587 करोड़ तक पहुंच गया, जो 114% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाता है। लेनदेन मूल्य भी 1.10 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यूपीआई ने 1,946.79 करोड़ से अधिक लेनदेन के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया।

संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन, एसआईआर और वोट चोरी मुद्दे पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के बीच सोमवार को विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वोट चोरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सांसदों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर 'वोट चोरी बंद करो', 'मोदी सरकार हाय-हाय' के नारे लगाए।

विपक्ष के इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। उनके साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रमुक (डीएमके), वामपंथी दलों, राजद (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद भी शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है और यह सरकार के इशारे पर की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने तमिलनाडु और तेलंगाना के मुद्दों का भी जिक्र किया। तेलंगाना के किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य को 8.3 लाख मीट्रिक टन यूरिया देने का वादा किया था, लेकिन अब तक सिर्फ 5.3 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध कराया गया है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस तरह के प्रदर्शन जरूरी हैं। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए, लेकिन सरकार उसकी साख को कमजोर कर रही है।

संसद का मानसून सत्रः विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली, । संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के जोरदार विरोध और हंगामे के बीच स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले उपसभापति ने नियम 267 के तहत आई सभी 19 नोटिस खारिज कर दिए, जिसके बाद विपक्ष ने जोरदार विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। इसी तरह लोकसभा में भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल बाधित हुआ और सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित करना पड़ा। विपक्ष के विरोध के चलते लगातार संसद का मानसून सत्र लगभग ठप रहा है। ऐसे में सोमवार को सरकार ने लोकसभा के एजेंडे में दो महत्वपूर्ण विषय सूचीबद्ध किए हैं, जिनमें भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मिशन और विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका पर विशेष चर्चा। और जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, जिसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सदन में पेश करेंगे। इस विधेयक का उद्देश्य छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना है। गौरतलब है कि मानसून सत्र की कार्यवाही इससे पहले 12 अगस्त को करीब एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई थी। अब दोबारा शुरू हुई कार्यवाही के पहले ही दिन विपक्ष और सरकार के बीच टकराव देखने को मिला।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने पर पीएम समेत कई नेताओं ने राधाकृष्णन को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें इस अवसर पर बधाई दी। इसे लेकर अन्य नेताओं की ओर से भी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं दी जा रही हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सीपी राधाकृष्णन ने अपनी लगन, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने हमेशा सामुदायिक सेवा और वंचितों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर व्यापक कार्य किया है। मुझे खुशी है कि एनडीए परिवार ने उन्हें हमारे गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार के रूप में नामित होने पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को बधाई। एक सांसद और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल के रूप में आपकी भूमिकाओं ने संवैधानिक कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आपका विशाल अनुभव और ज्ञान उच्च सदन की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा और नई उपलब्धियां हासिल करेगा। इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा संसदीय बोर्ड के सभी सदस्यों का आभार।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार घोषित होने पर सीपी राधाकृष्णन को बधाई। वर्तमान में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, इससे पहले वे झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं। इसके अलावा, वे लोकसभा में सांसद भी रह चुके हैं। वहीं, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने पर बधाई। एक वरिष्ठ राजनेता और सम्मानित नेता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक देश की विशिष्ट सेवा की है। तेलुगु देशम पार्टी उनके नामांकन का हार्दिक स्वागत करती है और अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त करती है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सीपी राधाकृष्णन के नाम का समर्थन किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उपराष्ट्रपति के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को हमारा पूर्ण समर्थन है। हम सड़क से लेकर सदन तक एनडीए के साथ हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। मैं उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

चंद्रपुर पोन्नुसामी राधाकृष्णन को 31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले, उन्होंने लगभग डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में काम किया। इसके अलावा, वे तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में उपराष्ट्रपति पद को लेकर चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडिया गठबंधन के नेताओं की लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में बैठक हुई जिसमें मतदाता सूची पुनरीक्षण के साथ ही उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। इस बीच विपक्षी दलों के सदस्यों ने पिछले सप्ताह की तरह सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन के मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर बैनर लेकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया। इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्षी दलों की इस बैठक में चर्चा हुई लेकिन इस बारे में व्यापक विचार विमर्श अभी किया जाना है और उसके बाद सबकी सहमति से इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार तय किया जाएगा। कांग्रेस के मणिक्कम टैगोर ने कहा कि इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार उतरेगा और इसके लिए गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी। उनका कहना था की सत्ता पक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन की पृष्ठभूमि आरएसएस की है और इसे बर्दाश्त नहीं जा सकता।

चुनाव आयोग को लेकर संसद में हंगामा नहीं होना चाहिए -रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सरकार चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की प्रवक्ता नहीं है इसलिए विपक्ष को उसे मुद्दा बनाकर संसद में हंगामा नहीं करना चाहिए। उन्होंने सुबह एक बयान में कहा, 'चुनाव आयोग और कांग्रेस के बीच जो बात है उसका जवाब आयोग ही दे सकता है। आयोग से जो पूछा गया है उसके बारे में आयोग ही बता सकता है। संसद में हंगामा करने से कुछ नहीं होगा। हम चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं है, वह एक संवैधानिक संस्था है उसका जवाब हम नहीं दे सकते।' उन्होंने कैप्टन सौरभ शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा की सफलता पर आज संसद के एजेंडा में विशेष चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी दलों को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की सफलताओं के लिए इस महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लेना चाहिए। विपक्ष को दलगत राजनीति से उठकर हमारे अंतरिक्ष यात्रियों ,वैज्ञानिकों और इसरो के कार्यक्रम में शामिल लोगों की सराहना के लिए चर्चा में शामिल होना चाहिए।

'वोट चोरी' का नया हथियार है एसआईआर, 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा करेंगे: राहुल

औरंगाबाद(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को 'वोट चोरी का नया हथियार' करार दिया और कहा कि वह 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा के लिए खड़े हैं।राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन यह भी कहा कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी को किसी भी हाल में खत्म नहीं होने दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने दूसरे दिन की यात्रा औरंगाबाद के कुटुंबा से शुरू की और आज की यात्रा का समापन गया में होगा। कुटुंबा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार का विधानसभा क्षेत्र है।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ इस यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता शामिल हैं।

यात्रा के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद स्थित प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में दर्शन किए।राहुल गांधी ने ऐसे कई लोगों से मुलाकात की एक तस्वीर अपने व्हाट्सएप चैनल पर साझा की जिनके नाम एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। कांग्रेस नेता ने कहा, 'एसआईसीआर वोट चोरी का एक नया हथियार है। इत्तेफ़ाक से इस तस्वीर में मेरे साथ खड़े ये लोग इस चोरी के 'जीते-जागते' सबूत हैं।' उन्होंने कहा कि इन सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था, मगर बिहार विधानसभा चुनाव आते आते भारत के लोकतंत्र से इनकी पहचान, इनका वजूद मिटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने किसान एवं सेवानिवृत्त फौजी राज मोहन सिंह (70), दलित महिला उमरावती देवी (35), पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले धनजेय कुमार बिंद (30), मनरेगा में मजदूर रहीं सीता देवी (45), महिला एवं पूर्व मनरेगा मज़दूर राजू देवी (55) और मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मजदूर मोहमुद्दीन अंसारी (52) से मुलाकात की। उनके मुताबिक, इनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, जबकि लोकसभा चुनाव में इन्होंने मतदान किया था। गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत इन्हें बहुजन और गरीब होने की सज़ा दे रही है।

उन्होंने कहा, 'हमारे जवानों तक को नहीं छोड़ा - न वोट रहेगा, न पहचान रहेगी, और न ही अधिकार।' राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक भेदभाव और आर्थिक परिस्थितियों के कारण ये सब 'सिस्टम' के षड़यंत्र के विरुद्ध लड़ पाने में असमर्थ हैं।कांग्रेस नेता ने कहा, 'उनके साथ हम यहां खड़े हैं 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सबसे मूल अधिकार की रक्षा करने के लिए।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह हक़ का, हिस्सेदारी का, लोकतंत्र में सबकी भागीदारी का सवाल है। इसे हम किसी भी हालत में खत्म नहीं होने देंगे।'

ममता के मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से जमानत... लेकिन रिहाई होगी तीन माह बाद

- बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में आया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में फंसे राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई केस में पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी है। हालांकि, इस दौरान सीबीआई ने ममता के मंत्री चटर्जी की जमानत का जोरदार विरोध किया। लेकिन सीबीआई के विरोध को दरकिनार कर सुप्रीम कोर्ट ने ममता के मंत्री को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी चटर्जी की रिहाई तुरंत नहीं होगी, बल्कि यह तीन महीने बाद निचली अदालत की ओर से तय किए जाने वाले बेल बॉन्ड पर निर्भर होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया कि ट्रायल कोर्ट मामले में चार्ज फ्रेम करने की प्रक्रिया 4 हफ्तों के भीतर पूरी करे। इसके बाद अगले 2 महीने में गवाहों की गवाही भी पूरी करे। इसी प्रक्रिया के बाद चटर्जी की रिहाई हो सकेगी।

यह पहली बार नहीं है जब चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। इसके पहले 13 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जमानत दी थी। उस आदेश के तहत भी उनकी जमानत 1 फरवरी 2025 से लागू हुई थी, यानी लगभग तीन महीने बाद। ठीक उसी तरह अब सीबीआई केस में भी उनकी रिहाई तीन महीने बाद होगी।

बता दें कि बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को स्कूल जॉब के लिए कैश मामले में 151.26 करोड़ रुपए के कुल घोटाले की राशि में सबसे ज्यादा लाभार्थी दिखाया गया है, जैसा कि इसके पांचवें और अंतिम पूरक आरोपपत्र में विस्तार से बताया गया है।

एलएसी पर जवान, अमेरिकी टैरिफ... चीनी विदेश मंत्री संग जयशंकर ने किन-किन मुद्दों पर की बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और एक बैठक की। वांग के साथ अपनी बैठक में, जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाई एक और प्रमुख प्राथमिकता है। मैं हमारे विचारों के आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। कुल मिलाकर, हमारी आशा है कि हमारी चर्चाएँ भारत और चीन के बीच एक स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंध बनाने में योगदान देंगी, जो हमारे हितों की पूर्ति करेगा और हमारी चिंताओं का समाधान करेगा।

वांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता में भाग लेने के लिए सोमवार को भारत की दो दिवसीय यात्रा शुरू की। यह बैठक डोभाल की दिसंबर में बीजिंग यात्रा के बाद हो रही है, जहाँ उन्होंने 23वें दौर की वार्ता की थी। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान वार्ता तंत्र को पुनर्जीवित करने पर सहमति जताए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुई थी।

इससे पहले, चीन ने कहा था कि विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा का उद्देश्य दोनों पक्षों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ और पिछले दौर की सीमा वार्ता में लिए गए निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करना है। वांग, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता में भाग लेने के लिए दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। डोभाल दिसंबर में चीन गए थे और उन्होंने वांग के साथ 23वें दौर की वार्ता की थी। यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर रूसी शहर कज़ान में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच विभिन्न संवाद तंत्रों को पुनर्जीवित करने के निर्णय के कुछ हफ़्ते बाद हुई थी।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि वांग की यात्रा के माध्यम से चीन भारत के साथ मिलकर नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण आम सहमतियों को साकार करने, उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखने, राजनीतिक विश्वास बढ़ाने, व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने, मतभेदों को उचित ढंग से सुलझाने और चीन-भारत संबंधों के निरंतर, सुदृढ़ और स्थिर विकास को बढ़ावा देने की आशा करता है। माओ ने सोमवार को यहाँ एक मीडिया ब्रीफिंग में वांग की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता दोनों देशों के बीच सीमा वार्ता का एक उच्च-स्तरीय माध्यम है। उन्होंने कहा कि बीजिंग में 23वें दौर की वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने परिसीमन, बातचीत, सीमा प्रबंधन तंत्र, सीमा पार आदान-प्रदान और सहयोग पर कई आम सहमतियाँ हासिल कीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

186 वर्षों में कितनी बदल गई तस्वीरों की दुनिया?

'विश्व फोटोग्राफी दिवस' आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली 'फोटोग्राफी प्रक्रिया' माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'फोटोज' (प्रकाश) और 'ग्राफीन' (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार 'फोटोग्राफी' शब्द का उपयोग किया था।

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(विश्व फोटोग्राफी दिवस (19 अगस्त) पर विशेष)

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए फोटो स्टूडियो तक जाना पड़ता था लेकिन अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज बिल्कुल बदल चुकी है। हालांकि यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर कम ही हैं। दरअसल एक अच्छा फोटो प्राप्त करने की पहली शर्त है आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य को कैमरे की मदद से एक फ्रेम में बांधना, प्रकाश, छाया, कैमरे की स्थिति, उचित एक्सपोजर तथा उचित विषय का चुनाव करना इत्यादि। अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम के बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है। जब तक किसी फोटो में मानवीय संवेदनाएं नजर नहीं आएंगी, तब तक उसे बेहतर तस्वीर नहीं माना जा सकता। किसी भी फोटो में स्पष्ट दिखने वाली ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं के कारण ही प्रायः कहा भी जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होता है। इसलिए कोई भी फोटो तकनीकी रूप में कितना ही अच्छा क्यों न हो, वह तब तक सर्वमान्य नहीं हो सकता, जब तक कि वह मानवीय संवेदना को झकझोर न दे। किसी भी उत्पाद के प्रचार के लिए बनाए जाने वाले विज्ञापन को आकर्षक बनाने में भी एक अच्छे फोटोग्राफर का योगदान बहुत बड़ा होता है।

फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'मेरी पसंदीदा तस्वीर' थीम के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरुआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था।

'विश्व फोटोग्राफी दिवस' आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली 'फोटोग्राफी प्रक्रिया' माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'फोटोज' (प्रकाश) और 'ग्राफीन' (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार 'फोटोग्राफी' शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रैंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह

रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। अपने आविष्कार के 186 वर्षों लंबे इस सफर में फोटोग्राफी ने अनेक आयाम देखे हैं।

सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी का तो आज की युवा पीढ़ी पर जुनून सा छाया है लेकिन विश्व की पहली सेल्फी 186 वर्ष पूर्व अर्थात् वर्ष 1839 में ही ली गई थी और यह सेल्फी ली थी अमेरिकन फोटोग्राफर रॉबर्ट कॉर्नेलियस ने। उन्होंने अपने कैमरे को सैट करने के बाद लेंस कैंप को हटाकर फ्रेम में चलकर फोटो ली थी, जिसे अब सेल्फी कहा जाता है। हालांकि उस समय स्वयं कॉर्नेलियस को भी नहीं पता था कि उनके द्वारा उस अंदाज में खींचा गया वह फोटा भविष्य में सेल्फी के रूप में जाना जाएगा। कॉर्नेलियस द्वारा ली गई सेल्फी वाली वह तस्वीर आज भी यूनाइटेड स्टेट लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस प्रिंट में उपलब्ध है।

तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

चुनौतियां और संकल्प

पंद्रह अगस्त पर लाल किले से प्रधानमंत्री का राष्ट्र के लिये संबोधन महज एक औपचारिकता नहीं होता, बल्कि समकालीन राष्ट्रीय चुनौतियों व अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर सरकार की रीति-नीति का परिचय होता है। आने वाले समय की योजनाओं का खाका और राष्ट्रीय संकल्पों की बानगी होता है। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन निस्संदेह, इन्हीं रीति-नीतियों का विस्तार था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए टैरिफ के बीच स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर बल दिया। साथ ही यह भी दोहराया कि विश्व में पहुंच बनाने के लिये हमारी प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की होनी चाहिए। उन्होंने रक्षा उत्पाद निर्माण को वरीयता देने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि साल के अंत तक पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप आ जाएगी। निश्चय ही यह कामयाबी हमारी तकनीकी व सुरक्षा जरूरतों के लिये महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने क्रिटिकल मिनरल्स के उत्पादन पर भी जोर दिया, जो रक्षा उत्पादों में बड़ी भूमिका निभाते हैं। पं. नेहरू के बाद लगातार बारहवीं बार लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करने वाले मोदी का यह संबोधन अब तक का सबसे लंबा अवधि वाला था। लेकिन समकालीन चुनौतियों के मद्देनजर यह तार्किक था। उन्होंने उर्वरकों, परमाणु ऊर्जा, जीएसटी, अर्थव्यवस्था के लिये रिफोर्म टास्क फोर्स के गठन, अंतरिक्ष अभियान जैसे तमाम मुद्दों को संबोधित किया। निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता के प्रयासों से जहां हम अपने आर्थिक लक्ष्य पा सकते हैं, वहीं हम अपनी संप्रभुता की रक्षा भी कर सकने में सक्षम हो सकेंगे। निश्चित रूप से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के परिदृश्य के बीच भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने के लिये उत्पादन क्षेत्र में आशातीत वृद्धि करनी होगी। तभी हम चीन के साथ लगातार बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर कर पाने में किसी हद तक सफल हो सकते हैं। फिर हम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के लिये चुनौती बनती घुसपैठ की समस्या को भी संबोधित किया और उच्च शक्ति वाला डेमोग्राफी मिशन चलाने की बात कही। दरअसल, आज घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव की स्थिति तक पहुंच गई है। देश में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ डेढ़ करोड़ बतायी जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का जिक्र करके देश को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। आने वाले दशक में उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के मुकाबले को उन्होंने 'सुदर्शन चक्र' नामक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच तैयार करने की बात कही। जिसमें रक्षा उत्पादों का आधुनिकीकरण भी शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि बाह्य दबाव अस्वीकार करके किसानों, पशुपालकों व मछुआरों के हितों की रक्षा की जाएगी। उनका मानना था कि हम इतने मजबूत बनें कि चुनौतियां हमारी सफलता का मार्ग तय करें। कुल मिलाकर उन्होंने देश के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को संबोधित करते हुए समाधान की राह का विस्तार से जिक्र किया। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश के आंतरिक मोर्चे पर उन्होंने किसानों के संरक्षण व प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के मुद्दे पर जो कहा, उसे यथाशीघ्र हकीकत बनाया जाएगा।

दमन, उत्पीड़न व अत्याचार के विरुद्ध एकजुटता का सन्देश देता अरबईन मार्च

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

अरबईन अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है चालीस (40)। चूँकि इस्लाम धर्म में में किसी व्यक्ति की मृत्यु के 40 दिन बाद उसकी याद में शोक आयोजन यानी चालीसवां मनाये जाने की परंपरा है इसलिये हज़रत अली के पुत्र व पैग़ंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हज़रत इमाम हुसैन व उनके परिजनों की शहादत के चालीसवें के दौरान इराक़ में अरबईन मार्च आयोजित किया जाता है। अरबईन मार्च इराक़ में ही शुरू हुआ था क्योंकि करबला इराक़ में स्थित है और हज़रत इमाम हुसैन की शहादत करबला में ही हुई थी। इस मार्च में भाग लेने के लिये धर्म व जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर दुनिया के सौ से अधिक देशों के करोड़ों लोग हज़रत इमाम हुसैन के रौज़े पर हाज़िरी लगाने इराक़ के करबला शहर पहुँचते हैं। वैसे तो अरबईन मार्च का इतिहास सदियों पुराना है। इसकी शुरुआत 680 ईस्वी (61 हिजरी) में पैगंबर हज़रत मुहम्मद के एक साथी जाबिर इब्न अब्दुल्लाह अल-अंसारी ने की थी। जाबिर ने आशूरा (दस मुहर्रम) के 40 दिन बाद करबला जाकर इमाम हुसैन की क़ब्र पर पहली ज़ियारत पढ़ी और करबला में अरबईन यानी हज़रत इमाम हुसैन का चालीसवां मनाने की परंपरा की शुरुआत की। धीरे धीरे यहाँ पहुँचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गयी। परन्तु सद्दाम हुसैन ने अपने शासनकाल में अरबईन मार्च को प्रतिबंधित कर दिया था। 1979-2003 के मध्य सद्दाम के शासनकाल में यह मार्च पूरी तरह प्रतिबंधित रहा परन्तु जैसे ही 2003 में सद्दाम की सत्ता का पतन हुआ उसी समय यानी 2003 के अरबईन मार्च में ही पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु करबला की ओर निकल पड़े। आज स्थिति यह है कि पड़ोसी देशों के श्रद्धालु हज़ारों किलोमीटर तक का सफ़र पैदल तय कर करबला पहुँचते हैं। जबकि मुख्य मार्च हज़रत अली के रोज़े नजफ़ से शुरू होकर 80 किलोमीटर दूर स्थित करबला में इमाम हुसैन के रौज़े के मध्य होता है। आज इसे दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक मानव समागम माना जाता है, जिसमें करोड़ों लोग पैदल चलकर भाग लेते हैं।

इस बार अरबईन मार्च का समापन गत 15 अगस्त को हुआ जिसमें रिकार्ड लगभग सवा दो करोड़ लोगों ने शिरकत की। यह मार्च पश्चिमी मीडिया की बेरुख़ी के बावजूद अपनी अनेक विशेषताओं के लिये पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करता है। जिस हुसैन व उनके परिवार के लोगों को करबला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा रहने को मजबूर किया गया और इसी भूख प्यास की शिद्दत के आलम में क्रूर सीरियाई शासक यज़ीद की सेना द्वारा उन्हें क़त्ल किया गया उसी हुसैन के रौज़े पर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को अरबईन मार्च के पूरे मार्ग पर दुनिया का सबसे मंहगा,शुद्ध व स्वादिष्ट व्यंजन परोसा जाता है। करोड़ों लोगों के हर मर्ज़ की दवा इलाज,उनके लिये हर तरह के आराम की सारी सुविधायें सब कुछ मुफ़्त उपलब्ध कराई जाती हैं। और सबसे बड़ी बात यह कि इस मार्च पर अलक़ायदा व आई एस व दाईश जैसे आतंकी संगठनों की कुदृष्टि होने के बावजूद अभी तक इस मार्च में कभी कोई अनहोनी या दुर्घटना का समाचार नहीं मिला। ख़बर है कि इस बार भी इराक़ी सुरक्षा बलों ने अरबईन तीर्थयात्रियों को निशाना बनाने की साज़िश रचने वाले एक आतंकी सेल का पर्दाफ़ाश किया है। करबला के गवर्नर नासिफ़ जसीम अल-ख़त्ताबी के मुताबिक़ एक ख़ुफ़िया ऑपरेशन के दौरान 7 अगस्त, 2025 को 22 आतंकवादियों को गिरफ़्तार किया गया। ये आतंकवादी दाइश (ढ्ढस्ढ्ढस्) से जुड़े थे और अरबईन मार्च के दौरान श्रद्धालुओं पर हमला करने की साज़िश रच रहे थे। उनकी योजना हज़रत इमाम हुसैन की याद में होने वाली मजलिसों,पैदल मार्च व सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाने की तो थी ही साथ ही वे किसी बहाने श्रद्धालुओं को ज़हर देने की साज़िश भी रच रहे थे।

इस पूरी यात्रा के दौरान पूरे वर्ष नजफ़,करबला अथवा किसी भी तीर्थस्थल पर कहीं भी फूल मालाएं अर्पित नहीं की जातीं। कहीं धूप अगरबत्ती या मोमबत्ती दिया बाती कुछ भी नहीं जलाई जाती। कहीं भी कलावा,मौली,चंदा पर्ची रसीद आदि का कोई फंडा नहीं है। कहीं गुल्लक या दान पेटी रखी नज़र नहीं आएगी। बस हर व्यक्ति शहीद ए करबला की याद में आँखों में श्रद्धा के आंसू लिये सीने पर हाथ रखे, या हुसैन और लब्बैक या हुसैन कहता हुआ करबला की ओर बढ़ता दिखाई देता है। दरअसल अरबईन मार्च को पूरे विश्व में उदारता और आतिथ्य के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक महत्व भी रखती है, जो अन्याय के ख़िलाफ़ दुनिया को एकजुट होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। यही वजह है कि हज़रत इमाम हुसैन को सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में माना जाता है। अब इस मार्च में केवल शिया या मुस्लिम लोग ही शरीक नहीं होते बल्कि प्रत्येक वर्ष इसमें बड़ी संख्या में अंतरधार्मिक भागीदारी बढ़ती ही जा रही है। इसीलिये इस यात्रा में सुन्नी, ईसाई, यहूदी, हिंदू,सिख, यज़ीदी,कुर्द और ज़ोरोस्ट्रियन आदि सभी समुदायों के लोग पूरी श्रद्धा से शामिल होते हैं।

यह हज़रत इमाम हुसैन की शहादत से मिलने वाली प्रेरणा ही थी जिसने पिछले दिनों ईरान को अमेरिका व इस्राईल जैसे सशक्त परन्तु अत्याचारी शासन के विरुद्ध साहस से मुक़ाबला करने का हौसला दिया। 2014 में भी इराक़ के प्रमुख शिया धर्मगुरु आयतुल्लाह अली सिस्तानी ने आतंकवादी संगठन आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) की बढ़ती हिंसा और आतंक के जवाब में उसके विरुद्ध जिहाद का फ़तवा जारी किया था। आईएस ने न केवल शिया समुदाय बल्कि सुन्नी, ईसाई, यज़ीदी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया था। बर्बर आईएस के लड़ाके सामूहिक हत्याएं, बलात्कार, और सांस्कृतिक स्थलों का विनाश करते हुये व्यापक आतंक मचा रहे थे और कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों को भरी क्षति पहुंचे थी। इस फ़तवे के परिणामस्वरूप, हज़ारों स्वयंसेवकों ने हश्द अल-शाबी (पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फ़ोर्सेज़, पीएमएफ) नामक अर्धसैनिक बल का गठन किया और इराक़ी सेना के साथ मिलकर आईएसआईएस के ख़िलाफ़ निर्णायक लड़ाई लड़ते हुये इराक़ व सीरिया को आईएसआईएस से मुक्त कराया। यह भी उसी हुसैन और करबला से मिलने वाली शिक्षा व प्रेरणा की ही देन थी। दरअसल हज़रत इमाम हुसैन की शहादत, दमन उत्पीड़न व अत्याचार के ख़िलाफ़ कड़े प्रतिरोध का वैश्विक प्रतीक है। चाहे वह उस दौर का क्रूर शासक यज़ीद हो या आज के दौर को कोई यज़ीद। रहती दुनिया तक करबला की दास्तान और शहादत ए हुसैन ज़ुल्म के ख़िलाफ़ मानवता को एकजुट होने तथा त्याग व बलिदान का सन्देश देती रहेगी।

ध्वनि तरंगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

विचार मंथन

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव?

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग को संवैधानिक रूप से सबसे निष्पक्ष और स्वतंत्र संस्था का दर्जा प्राप्त है। चुनाव आयोग का काम न केवल चुनाव कराना है। प्रत्येक नागरिक के मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनावी प्रक्रिया पर जनता और सभी राजनीतिक दलों के विश्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी चुनाव आयोग की है। बीते कुछ वर्षों में बार-बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। चुनाव मे ईवीएम की कार्य प्रणाली को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता संदेह की दृष्टि से देखी जा रही है। यही कारण है, अब विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मंथन शुरू कर दिया है। जल्द ही अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की जा रही है। विपक्ष का आरोप है, चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। चुनावी बांड, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार गिराने एवं राजनीतिक दलों को मान्यता पर कई सवाल खड़े हुए। मतदाता सूची की विसंगतियों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठते सवाल, सत्ता पक्ष द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर कार्यवाही नहीं करना, विपक्ष की शिकायतों पर चुनाव आयोग द्वारा स्पष्ट और भरोसेमंद जवाब नहीं देने से विपक्ष का चुनाव आयोग पर विश्वास खत्म हो गया है। चुनाव आयोग न्यायालय प्रक्रिया की आड़ में विपक्ष को उलझाकर सत्ता पक्ष को जिस तरह का फायदा पहुंचा रहा था। इसका भंडाफोड़ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर दिया है। उसके बाद से विपक्ष को जरा भी विश्वास, चुनाव आयोग पर नहीं रहा। विपक्ष का सीधा आरोप चुनाव आयोग के ऊपर है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर कई संवेदनशील मामलों पर सत्ता पक्ष को फायदा पहुचाने में गड़बड़ी की उसके बाद खामोशी ओढ़ ली। विपक्ष की शिकायतों को नज़रअंदाज़ करते हुए सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाया है। जिस तरह से चुनाव आयोग मानमाने ढंग से नियम बदल रहा है। सरकार कानून बदल रही है। मनमाने ढंग से चुनाव आयोग मे आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है। उससे विपक्षी दलों का अविश्वास चुनाव आयोग पर बढ़ता ही जा रहा है। अब सवाल यह है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने से स्थिति मैं सुधार होगा? संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग को काफी सुरक्षा मिली हुई है। मोदी सरकार ने जो नया चुनाव कानून बनाया है। उसमें चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकती है। यह सुरक्षा इसलिए है, ताकि चुनाव आयोग पर राजनीतिक रूप से कोई दबाव नहीं बना सके। अगर विपक्ष, संसद में इस मुद्दे को उठाकर अविश्वास प्रस्ताव पेश करता है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को संसद के अंदर विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देना होगा। सीधे तौर पर लोकतांत्रिक विमर्श से संसद के अंदर नई दिशा मिलेगी। भले बहुमत के आधार पर प्रस्ताव पास होना कठिन हो। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से आयोग की जवाबदेही तय करना चाहता है। विपक्ष का यह कदम लोकतंत्र की कसौटी चुनाव आयोग को कसे जाने का महत्वपूर्ण कोशिश है। चुनाव आयोग पर जनता का विश्वास एक बार डगमगा गया, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार ही खत्म हो जाएगा। विपक्ष की यह पहल केवल राजनीतिक प्रतिरोध नहीं मानी जा सकती है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। विपक्ष अभी बिहार से जो जन यात्रा निकाल रहा है। उसमें वह संविधान मे मिले नागरिकों के मूल अधिकार, मताधिकार और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ने की बात कह रहा है। हर नागरिक को अपने मताधिकार और चुनावी प्रक्रिया मैं नागरिक अधिकार सुरक्षित करने की बात कह रहा है। इसका प्रभाव मतदाताओं के बीच देखने को मिल रहा है। यह मुद्दा सत्ता और विपक्ष से बड़ा है। भारत में संविधान एवं लोकतंत्र की विश्वसनीयता का सवाल खड़ा हो गया है। अविश्वास प्रस्ताव से विपक्ष ,बहस का रास्ता खोलने की तैयारी में है। आयोग को अपनी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता साबित करने का यह एक अवसर भी हो सकता है। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए विचार विमर्श लोकतंत्र की दृष्टि से एक सकारात्मक कदम साबित होगा। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठना भारत के लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए। चुनाव आयोग जिस तरह से राजनीतिक दलों को पिछले कुछ वर्षों से नजर अंदाज करता है। जिस तरह से एक शासक की तरह विपक्षियों के साथ व्यवहार कर रहा है। विपक्ष का कहना है चुनाव आयोग का पलड़ा सरकार की तरफ झुका हुआ है।

चुनाव आचार संहिता और नियमों को लेकर अब यह बात आम आदमी भी करने लगा है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को कार्य प्रणाली इस तरीके से करनी होगी। जिससे आम लोगों और सभी राजनीतिक दलों का विश्वास उसके ऊपर बना रहे। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो सरकार और चुनाव आयोग दोनों के लिए ही आगे चलकर मुसीबतों का पहाड़ खड़ा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता जारी

नई दिल्ली । देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 18 अगस्त को भी दरों को यथावत बनाए रखा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 104.72 और डीजल 90.21 रुपए प्रति लीटर पर बनी हुई है। लंबे समय से यहां सौ रुपए से अधिक पेट्रोल खरीदना आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी स्थिति लगभग समान है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 और डीजल 92.15, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 प्रति लीटर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 94.69 और डीजल 87.80 लीटर बिक रहा है। इंदौर में पेट्रोल 106.48 प्रति लीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि मार्च 2024 के बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी बड़े बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, इस बीच कभी-कभार 1-2 रुपए प्रति लीटर का मामूली उतार-चढ़ाव जरूर देखा गया। तेल कंपनियां प्रतिदिन सुबह 6 बजे नई कीमतें अपडेट करती हैं, लेकिन पिछले कई महीनों से उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल पाई है।

समतल इस्पात पर सुरक्षा शुल्क की सिफारिश सराहनीय कदम-आईएसए

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने कुछ समतल इस्पात उत्पादों के आयात पर तीन वर्षों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य अचानक आयात वृद्धि से घरेलू उत्पादकों की रक्षा करना है। भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) के अध्यक्ष ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देगा और घरेलू इस्पात उद्योग को संरक्षण प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही प्रस्तावित शुल्क वैश्विक मानकों से कम हो, लेकिन इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने न्यूनतम आयात मूल्य जैसी नीतियों को भी उद्योग के लिए एक सकारात्मक सुरक्षा जाल बताया।

मणप्पुरम फाइनेंस और टाइटन शेयरों में आई मजबूती

नई दिल्ली । एंजेल वन के एक सीनियर टेक्निकल और डेरिवेटिव एनालिस्ट के अनुसार मणप्पुरम फाइनेंस ने हाल के हफ्तों में जोरदार रिकवरी दिखाई है। इस स्टॉक ने डेली चार्ट पर सभी प्रमुख ईएमए को पार कर लिया है और ब्रेकआउट की नेकलाइन तक लौटकर फिर से तेजी पकड़ता दिख रहा है। पॉजिटिव क्रॉसओवर, मोमेंटम इंडिकेटर्स का सपोर्ट और बढ़ा हुआ वॉल्यूम इस तेजी को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। कृष्णन ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे मणप्पुरम फाइनेंस को 264 से 260 के स्तर पर खरीद सकते हैं। स्टॉप लॉस 245 रखा जाना चाहिए, जबकि टारगेट प्राइस 294 से 300 रूपए तक निर्धारित है। वहीं टाइटन के शेयरों में भी हाल ही में अच्छी तेजी देखने को मिली है। इस स्टॉक ने डेली चार्ट पर 'डबल बॉटम' जैसा पैटर्न बनाकर मजबूती का संकेत दिया है। टाइटन 20 डेमा के ऊपर कारोबार कर रहा है और इसका ट्रेंड बुलिश बना हुआ है। डेली चार्ट पर हायर लो फॉर्मेशन और पॉजिटिव क्रॉसओवर तकनीकी रूप से तेजी का समर्थन कर रहे हैं। सुपर ट्रेंड इंडिकेटर भी हाल के उछाल के बाद बुलिश सिग्नल दे रहा है।

डेटा सुरक्षा और नवाचार के लिए भारत को स्वदेशी यूपीआई एप की जरूरतः एसबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के यूपीआई भुगतान क्षेत्र में फिलहाल कुछ बड़े तीसरे पक्ष एप्लिकेशन का प्रभुत्व है, जिनमें फोनपे, गूगल पे और पेटीएम शीर्ष स्थान पर हैं। जूलाई 2025 के आंकड़ों के अनुसार, फोनपे ने 8931 मिलियन लेनदेन और 12,20,141 करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन किए हैं। इसके बाद गूगल पे ने 692.3 करोड़ लेनदेन और 8,91,297 करोड़ रुपये के लेनदेन किए, जबकि पेटीएम ने 136.6 करोड़ लेनदेन और 1,43,651 करोड़ रुपये के लेनदेन दर्ज किए। एसबीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि इन प्रमुख प्लेटफार्मों पर विदेशी स्वामित्व या प्रभाव मौजूद है, जिससे यूपीआई डेटा कुछ बड़े खिलाड़ियों के पास केंद्रित हो गया है। इस स्थिति में देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह जरूरी है कि एक घरेलू, काउंटर इंट्यूटिव यूपीआई ऐप विकसित किया जाए, जो न केवल लेनदेन डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करे, बल्कि फिनटेक नवाचार को भी भारत की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाए। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि घरेलू यूपीआई ऐप की मौजूदगी से भारत को विदेशी प्रभाव से मुक्त होकर वित्तीय डेटा पर अधिक नियंत्रण मिलेगा। इससे देश की डिजिटल

भुगतान प्रणाली की मजबूती के साथ-साथ वित्तीय स्वायत्तता भी बढ़ेगी। इसके अलावा, यह कदम भारतीय स्टार्टअप्स और फिनटेक कंपनियों को भी प्रोत्साहन देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 20 पैसे की तेजी के साथ ही 87.37 रुपये पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी दिन रुपया 87.57 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया तेजी और निवेशकों की सकारात्मक धारणा के चलते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे की मजबूती के साथ 87.39 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.46 पर खुला और फिर 87.39 के स्तर पर पहुंचा, ये पिछले सत्र के बंद स्तर 87.59 से 20 पैसे ऊपर है। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मुद्रा और शेयर बाजार बंद थे। कारोबारियों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच बाजार सहभागियों ने सतर्क रुख अपनाया है। डॉलर सूचकांक जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाता है, 0.01 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 97.86 पर बंद हुआ।

सेबी की निपटान याचिकाओं में बड़ी वृद्धि, 798 करोड़ का शुल्क वसूला

- पिछले वर्ष के 434 आवेदनों की तुलना में 62 फीसदी अधिक

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में बाजार नियामक सेबी को प्रतिभूति नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में 703 निपटान याचिकाएं प्राप्त हुईं, जो पिछले वर्ष के 434 आवेदनों की तुलना में 62 फीसदी अधिक हैं। यह वृद्धि दर्शाती है कि बाजार सहभागियों में लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचते हुए विवाद सुलझाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सेबी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार प्राप्त याचिकाओं में से 284 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 272 याचिकाएं वापस ली गईं, अस्वीकृत की गईं या लौटा दी गईं। निपटाए गए मामलों से सेबी ने 798 करोड़ रुपये निपटान शुल्क और 65 करोड़ रुपये वसूली शुल्क के रूप में प्राप्त किए। निपटान आदेश मुख्य रूप से भेदिया व्यापार, धोखाधड़ीपूर्ण व्यवहार, वैकल्पिक निवेश कोष, म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर जारी किए गए। सेबी का निपटान तंत्र पक्षकारों को कुछ शर्तों और शुल्क के साथ मामले समाप्त करने का विकल्प देता है, जिससे मुकदमेबाजी से बचा जा सकता है। साथ ही 2024-25 में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में सेबी से जुड़े 533 नई अपीलें दायर की गईं, जो पिछले वर्ष की 821 अपीलों की तुलना में कम हैं। इनमें से लगभग 62 फीसदी अपीलें धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध विनियम, 2003 के उल्लंघन से जुड़ी थीं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 676 , निफ्टी 245 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 676.09 अंकों की बढ़त के साथ ही 81,273.75 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 245.65 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,876.95 अंकों पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं शेष सभी 10 कंपनियों के शेयर नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी 50 की 50 में से 38 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए जबकि 12 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 8.94 फीसदी बढ़े। वहीं आईटीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.26 फीसदी गिरे।

आज सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में बजाज

फाइनेंस के शेयर 5.02 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 3.71 फीसदी, बजाज फिनसर्व 3.70 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.54 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.46 फीसदी, ट्रेंट 2.82 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.29 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 2.08 फीसदी, टाइटन 1.86 फीसदीकी बढ़त के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर, सोमवार को एलएंडटी के शेयरों में 1.18 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.02 फीसदी, एनटीपीसी 0.91 फीसदी, इंफोसिस 0.82 फीसदी, बीईएल 0.62 फीसदी, सनफार्मा 0.62 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की उछाल के साथ 81,315 पर खुला और । इसी तरह एनएसई का निफ्टी50 भी 315.85 अंक की बढ़त के साथ 24,947 पर कारोबार करता दिखा। बाजार में यह तेजी ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते देखी गई। आज एशियाई बाजारों में जापान और ताइवान के शेयरों में तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग 0.45 फीसदी ऊपर रहा। जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.23 फीसदी नीचे रहा। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई थी।

भारत में इस्पात संयंत्र स्थापित करेंगे जेएसडब्ल्यू स्टील और पॉस्को

- 60 लाख टन प्रति वर्ष (6 एमटीपीए) की क्षमता प्रस्तावित

नई दिल्ली ।

भारतीय इस्पात कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील और दक्षिण कोरिया की अग्रणी इस्पात निर्माता कंपनी पॉस्को ने भारत में 60 लाख टन प्रति वर्ष (6 एमटीपीए) क्षमता वाला एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता पिछले वर्ष अक्टूबर में किए गए समझौते की अगली कड़ी है। दोनों कंपनियां अब संयंत्र के स्थान चयन, निवेश शर्तें, संसाधन उपलब्धता और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करेंगी। संभावित स्थान के रूप में ओडिशा को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां प्राकृतिक संसाधनों और संभार-तंत्र की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में एक वैश्विक स्तर का प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र स्थापित करना है, जो घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों की मांग को पूरा करेगा। प्रस्तावित संयंत्र 50-50 संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित किया जाएगा। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पॉस्को होल्डिंग्स के अध्यक्ष ली जू-ताई और जेएसडब्ल्यू स्टील के सीईओ जयंत आचार्य उपस्थित थे। जयंत आचार्य ने इसे जेएसडब्ल्यू की निष्पादन क्षमता और पॉस्को की तकनीकी विशेषज्ञता का संयोजन बताया।

वहीं ली जू-ताई ने भारत को वैश्विक इस्पात मांग का भविष्य बताया और इस साझेदारी को दीर्घकालिक मूल्य सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया।

सेबी करेगा मार्जिन ट्रेडिंग और एंजल फंड्स नियमों की व्यापक समीक्षा

मुंबई ।

सेबी वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता और जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए मार्जिन ट्रेडिंग फंडिंग (एमटीएफ) के तहत मार्जिन फ्रेमवर्क की समीक्षा करने जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सेबी ने कहा कि वर्तमान मार्जिनिंग नियमों की व्यापक समीक्षा जारी है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य क्लीयरिंग कॉरपोरेशनों में जोखिम प्रबंधन को और प्रभावी बनाना है। मार्जिन ट्रेडिंग के तहत निवेशक बिना पूरी राशि दिए शेयर खरीद सकते हैं, जहां वे केवल कुछ प्रतिशत का भुगतान करते हैं और बाकी रकम मार्जिन या गिरवी रखे शेयरों से कवर होती है। साथ ही, सेबी एमटीएफ के तहत पात्र शेयरों की सूची की भी समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, सेबी एंजल फंड्स के नियामक ढांचे में बदलाव पर भी विचार कर रहा है। इस समीक्षा का मकसद फंड रेजिंग, निवेश की शर्तों और संचालन से जुड़े नियमों को आसान और व्यवस्थित बनाना है, ताकि स्टार्टअप्स को निवेश उपलब्ध कराने में सहायता मिल सके। एंजल फंड्स स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण फंडिंग स्रोत हैं।

फॉक्सकॉन ने बेंगलुरु में शुरू किया आईफोन-17 का उत्पादन

- भारत में बढ़ रहा ऐपल का निवेश

नई दिल्ली ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐपल को भारत में प्रोडक्शन बंद करने के निर्देश के बावजूद कंपनी ने भारत में उत्पादन बढ़ाने का कदम उठाया है। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉन ने बेंगलुरु के देवनहल्ली में अपने नए कारखाने में आईफोन-17 की मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर दी है। यह फॉक्सकॉन का चीन के बाहर दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र है, जिसमें लगभग 2.8 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) का निवेश किया गया है। फिलहाल इस कारखाने में आईफोन-17 का उत्पादन छोटे पैमाने पर चल रहा है। फॉक्सकॉन चेन्नई में भी आईफोन-17 बना रहा है। आईफोन-17 के उत्पादन में थोड़ी बाधा तब आई जब कई चीनी इंजीनियर अचानक भारत से लौट गए, लेकिन फॉक्सकॉन ने ताइवान समेत अन्य देशों से विशेषज्ञ बुलाकर इस कमी को पूरा कर लिया है। ऐपल की योजना इस साल भारत में आईफोन उत्पादन को छह करोड़ यूनिट तक बढ़ाने की है, जो पिछले वित्त वर्ष में लगभग 3.5 से 4 करोड़ यूनिट था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में ऐपल ने लगभग 22 अरब डॉलर के आईफोन असेंबल किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 60 फीसदी अधिक हैं। ऐपल के सीईओ टिम कुक ने भी कहा है कि जून 2025 तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश

आईफोन भारत से आयातित होंगे। दूसरी तिमाही में ऐपल की भारत में आपूर्ति 19.7 फीसदी बढ़ी है और कंपनी की भारतीय स्मार्टफोन बाजार में हिस्सेदारी 7.5 फीसदी पहुंच गई है। इस बीच, भारतीय स्मार्टफोन बाजार में चीनी कंपनी वीवो 19 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है।

चीन का शेयर बाजारः निवेशकों के लिए चुनौती और बचत की बढ़ती प्रवृत्ति

- चीन के शेयर बाजार में निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है, जिससे वे बचा रहे पैसा

नई दिल्ली।

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, वहां के लोग खर्च करने के बजाय अधिक बचत कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण चीन का कमजोर और अनिश्चित शेयर बाजार है। पिछले दशक में चीन के शेयर बाजार में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, खासकर 10 साल पहले एक बड़ा बुलबुला फटना, जिसने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया। तब से बाजार अब भी उस स्तर पर नहीं पहुंच पाया है, जिससे लोगों का निवेश पर भरोसा कम हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले अमेरिका के एसएंडपी 500 इंडेक्स में 10,000 डॉलर लगाए होते, तो आज उसकी रकम तीन गुना से अधिक हो गई होती। वहीं, चीन के सीएसआई 300 बेंचमार्क में इतनी ही रकम लगाने पर निवेशक को केवल 3,000 डॉलर का लाभ हुआ होगा। यह दर्शाता है कि चीन के शेयर बाजार में निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है, जिससे वे खर्च करने की बजाय पैसे बचाने में लगे हैं। चीन के शेयर बाजार की संरचना भी इसकी समस्या को

बढ़ा रही है। करीब 35 साल पहले इस बाजार को मुख्य रूप से सरकारी परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाने के लिए बनाया गया था, न कि निवेशकों को लाभ देने के लिए। इस वजह से बाजार में शेयरों की अधिकता और अनुचित व्यापार प्रथाएं आम हो गईं, जो आज भी 11 ट्रिलियन डॉलर के बाजार पर असर डाल रही हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग घरेलू खर्च बढ़ाकर 5 फीसदी की आर्थिक विकास दर हासिल करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें शेयर बाजार में सुधार और निवेशकों का विश्वास बहाल करना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का पूंजी बाजार निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जबकि फाइनेंसर्स को लाभ पहुंचाया है। इस खराब आर्थिक माहौल में चीन की बचत दर 35 फीसदी तक पहुंच गई है, जो कि डिस्पोजेबल इनकम का बड़ा हिस्सा है। इस स्थिति को बदलना आसान नहीं होगा, क्योंकि आर्थिक अनिश्चितता और बाजार की कमजोर स्थिति लोगों को खर्च करने के बजाय बचाने पर मजबूर करती है।

दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया के चुनिंदा 6 एयरपोर्ट्स में शामिल हुआ

- सालाना क्षमता 109 मिलियन यात्रियों तक पहुंची

नई दिल्ली ।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के तहत संचालित दिल्ली एयरपोर्ट ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मई 2023 में टर्मिनल-1 के पूरी तरह से चालू होने के बाद, दिल्ली एयरपोर्ट की यात्री क्षमता 109 मिलियन (10.9 करोड़) तक पहुंच गई है। इस उपलब्धि के साथ यह एयरपोर्ट एशिया का दूसरा और भारत का अकेला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जो सालाना 100 मिलियन से अधिक यात्रियों को संभाल सकता है। इससे पहले इस क्लब में केवल टोक्यो हानेडा एयरपोर्ट ही शामिल था। सरकार यदि टर्मिनल-2 के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण को मंजूरी देती है, तो दिल्ली एयरपोर्ट की कुल क्षमता 140 मिलियन यात्रियों तक बढ़ सकती है।

फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के इस साल नवंबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इसकी शुरुआती क्षमता सालाना 12 मिलियन यात्रियों की होगी, जो दिल्ली एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद करेगा। 2024 में दिल्ली एयरपोर्ट ने 80 मिलियन से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक संभाला है। वैश्विक स्तर पर देखें तो ऐसे एयरपोर्ट जिनकी क्षमता 100 मिलियन से ऊपर है, उनमें अटलांटा (125.48 मिलियन), दुबई (120 मिलियन), टोक्यो हानेडा (110 मिलियन), लंदन हीथ्रो (103 मिलियन) और डलास (102.9 मिलियन) शामिल हैं। एयरपोर्ट्स के बीच प्रतिस्पर्धा तेज़ हो रही है। इस्तांबुल एयरपोर्ट की क्षमता इस साल के अंत तक 120 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि सऊदी अरब का किंग सलमान इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2030 तक 120 मिलियन और 2050 तक 185 मिलियन यात्रियों की सेवा देने का लक्ष्य रखता है। इस तेजी से बढ़ती क्षमता से वैश्विक हवाई यात्रा का नया युग दिख रहा है।

भारतीय कंपनियों ने बढ़ाया इक्विटी और बॉन्ड से फंड जुटाने का रुख

कर्ज घटकर कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई

नई दिल्ली ।

भारत की कंपनियां अब बैंक कर्ज से दूरी बनाकर इक्विटी और बॉन्ड जैसे वैकल्पिक वित्तीय स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में 100 आधार अंक की कटौती के बाद कंपनियों के लिए दीर्घकालिक ऋण पूंजी बाजार से सस्ता और सुगम हो गया है। इसका प्रभाव कंपनियों की बैलेंस शीट में भी साफ दिख रहा है, जहां कर्ज घटकर कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2025 में भारत के उद्योग जगत ने क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 42,000 करोड़ रुपये से अधिक धन जुटाया। इसी अवधि में कंपनियों ने बड़े सौदों के जरिए 1.07 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल की। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कंपनियों ने बॉन्ड बाजार से 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाकर इतिहास रचा है। यह पिछले वर्ष की

समान अवधि में जुटाए गए 2.11 लाख करोड़ रुपये से दोगुना से अधिक है। आईसीआईसीआई बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनियों के पास अब फंड जुटाने के कई विकल्प मौजूद हैं। आंतरिक संसाधन प्राथमिक स्रोत हैं, इसके बाद इक्विटी और बॉन्ड बाजार हैं। बैंक ऋण भी विकल्प के रूप में उपलब्ध है, लेकिन बेहतर रेटिंग वाली कंपनियां अपनी फंडिंग को व्यापक बनाने के लिए इन सभी स्रोतों का उपयोग कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन गिल हो सकते हैं बाहर, यशस्वी जायसवाल एशिया कप टीम में होंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के बावजूद भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप 2025 टीम में जगह बनाने से चूक सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं का मानना है कि गिल फिलहाल उनकी टी20 योजनाओं में फिट नहीं बैठते, जिससे टूर्नामेंट में उनका खेलना मुश्किल हो जाता है। संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित होने वाला एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा और टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। भारत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मंगलवार, 19 अगस्त को मुंबई में टीम की घोषणा करेगी।

जानकारी के मुताबिक गिल की जगह यशस्वी जायसवाल को तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के लिए चुना जा सकता है। जायसवाल भारत की 2024 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे, लेकिन किसी भी मैच में नहीं खेले। हालांकि गिल के पक्ष में जायसवाल को हटाने के बारे में अनौपचारिक चर्चा हुई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि इस सुझाव को खारिज कर दिया गया है। गिल ने आखिरी बार पिछले साल जुलाई में श्रीलंका सीरीज के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में किया था।

गिल ने गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्र 2025 का सफल सीजन खेला जिससे सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी दावेदारी मजबूत हुई। फिर भी प्रबंधन संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की स्थापित सलामी जोड़ी को बनाए रखने के लिए उत्सुक है, जिन्होंने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के अनुसार गिल को शामिल करने के लिए तिलक वर्मा को हटाने पर भी चर्चा हुई थी, लेकिन आईसीसी टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्मा की दूसरे नंबर के बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में प्रभावशाली स्थिति को देखते हुए इसे अनुचित माना गया।

बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अगर गिल को शामिल किया जाता है, तो वह सीधे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। अगर उन्हें कोई मैच नहीं मिलता है तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है। साथ ही यह संजू के साथ अन्याय होगा जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर गिल टीम में आते हैं, तो संजू को टीम में जगह नहीं

मिल सकती है और जितेश शर्मा को एक मैच मिल सकता है।'

चीन में आयोजित हुआ रोबोट ओलंपिक्स, जहां रोबोट बने मुक्केबाज, पहलवान और धावक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन पूरी दुनिया में अपनी टेक्नोलॉजी और अनोखे कामों के लिए जाना जाता है। इस कड़ी में चीन में द वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन हुआ। जिसमें 16 देशों की 280 टीमों ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में करीब 500 रोबोट्स ने टेबल टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग और एथलैटिक्स के कई गेम्स खेले जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी जुटे। वहीं ये आयोजन करीब 4दिन चला और रविवार को इसका समापन हुआ।

दरअसल, दुनिया भर में रोबोट्स और आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को लेकर उत्सुकता है। तेजी से रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और एआई का विकास हो रहा है। वहीं चीन ने इस मामले में भी छलांग लगाते हुए दुनिया को अचरज में डाल दिया है। चीन में हुए इस रोबोट ओलंपिक्स ने पूरी दुनिया को रोमांचित किया है। इस आयोजन को ह्यूमनॉयड रोबोट गेम्स नाम दिया गया है, जिसे रोबोट ओलंपिक्स भी कहा जा रहा है।

अक्सर फुटबॉल मैदान पर दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो, मेसी, बेकहम जैसे खिलाड़ियों को गोल करते हुए देखा गया है। लेकिन इस बार चीन में रोबोट्स ने भी फुटबॉल मैच खेला। इस दौरान इनके दांव देखने वालों की भीड़ जमकर तालियां बजाती दिखीं।

वैभव सूर्यवंशी को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें, पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने किया समर्थन

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए 14 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने का सुझाव दिया है। श्रीकांत का मानना है कि जब असाधारण प्रतिभा और फॉर्म मौजूद हो, तो उम्र कोई बाधा नहीं बननी चाहिए।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति 19 अगस्त को मुंबई में बैठक करेगी जिसमें 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को है, इसलिए चयनकर्ता कुछ कठिन फैसले लेने की तैयारी में हैं जिनमें श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा और रियान पराग जैसे नाम शामिल हैं। इस बीच श्रीकांत द्वारा सूर्यवंशी को सीनियर टीम में जल्द ही शामिल करने के फैसले ने चयन प्रक्रिया को एक नया आयाम दिया है।

सूर्यवंशी ने 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में पदार्पण किया। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर IPL इतिहास में किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक बनाया। उन्होंने अपनी इसी फॉर्म को भारत के अंडर-19 इंग्लैंड दौरे तक जारी रखा, जहां उन्होंने 5 मैचों में 355 रन बनाए जिसमें चौथे वनडे में 143 रन की पारी भी शामिल है।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'आपको निडर होकर खेलना होगा। उसे इंतजार मत करवाइए। उसे परिपक्व होने दीजिए जैसी बातें मत कहिए। वह पहले से ही उल्लेखनीय परिपक्वता के साथ खेल रहा है। उसकी शॉट-मेकिंग एक अलग ही स्तर की है। अगर मैं अध्यक्ष होता, तो मैं उसे अंतिम 15 में शामिल करता।'

साउथ अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया: टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का तोहफा, क्वेना मफाका-डेवाल्ड ब्रेविस वनडे टीम में शामिल

केर्न्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में चमक बिखेरने वाले क्वेना मफाका और डेवाल्ड ब्रेविस को साउथ अफ्रीका की वनडे टीम में शामिल किया गया है। वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,÷जब आप युवा खिलाड़ियों को देखते हैं, तो यह हमेशा रोमांचक होता है। जाहिर है कि ब्रेविस पर ही सभी की निगाहें हैं। वह अपना दमखम दिखा रहे हैं। अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वह वनडे में कितना कमाल दिखा सकते हैं।÷

19 वर्षीय तेज गेंदबाज क्वेना मफाका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में नौ विकेट अपने नाम किए थे। पहले मैच में उन्होंने 20 रन देकर चार विकेट हासिल किए। अगले मुकाबले में 57 रन देकर तीन शिकार किए। तीसरे मैच में मफाका ने 36

रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीन पारियों में 90 की औसत के साथ 180 रन बनाए।

ब्रेविस सीरीज के पहले मैच में सिर्फ दो ही रन बना सके थे, जिसके बाद उन्होंने अगले मुकाबले में नाबाद 125 रन की पारी खेली। तीसरे और निर्णायक मैच में ब्रेविस के बल्ले से 53 रन निकले। अब दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को वनडे फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच 19 अगस्त से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मैच केर्न्स में खेला जाना है, जिसके बाद 22 अगस्त को मैके में दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला भी मैके में 24 अगस्त को आयोजित होगा।

वनडे सीरीज के लिए साउथ टीम÷ टेंबा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीत्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, एडेन मार्करम, क्वेना मफाका, सेनुरन मुथुसामी, केशव महाराज, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और प्रेनेलन सुब्रायन।

बुमराह 24 कैरेट सोना है, उनके जैसा कोई गेंदबाज नही: पूर्व भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है। बुमराह की हाल के दिनो में लगातार आलोचना हो रही है। बुमराह आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचो की टेस्ट सीरीज में खेले थे। जहा उन्होंने तीन मैच खेले। लेकिन अपने कार्यभार को नियंत्रित करने के लिए अंतिम मैच नही खेल पाए। उस समय भारत 1-2 से पिछड़ रहा था। ऐसे में उनकी अनुपस्थिति ने प्रशंसको और विशेषज्ञो के बीच व्यापक बहस छेड़ दी थी।

आकाश चोपड़ा ने आलोचको को इस तेज गेंदबाज पर अनावश्यक दबाव डालने के प्रति आगाह किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुमराह एक दुर्लभ प्रतिभा है और उनके करियर को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सावधानी से संभाला जाना चाहिए।उन्होंने कहा, 'बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नही है। उन्हें जबरदस्ती जल्दी रिटायरमेंट के लिए मजबूर न करें क्योंकि वह 24 कैरेट शुद्ध सोना है। वह कोहिनूर हीरा है। वह जितना ज़्यादा खेलेंगे, उतना ही बेहतर होगा। मुझे नहीं लगता

कि वह ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। लेकिन मैं कहूंगा कि जब तक वह खेलने चाहे, तब तक खेलते रहे।'चोपड़ा ने आगे कहा, 'ईमानदारी से कहू तो मुझे नहीं लगता कि वह सभी टेस्ट मैच खेलेंगे। वह अपनी पसंद के हिसाब से खेलेंगे। सही है या गलत, यह कोई नैतिक बहस का विषय नही है। अगर आपके पास उस स्तर का कोई खिलाड़ी उपलब्ध है, तो उसे जब भी मौका मिले, खिलाए।'

नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम स्टैंडिंग के अनुसार स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होने वाली डायमंड लीग 2025 फाइनल में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालीफाई कर लिया है।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने सिलेसिया डायमंड लीग में भाग नहीं लिया था, लेकिन इस वर्ष दो डायमंड लीग मैचों में 15 अंक हासिल करने के साथ वह 27 और 28 अगस्त को स्विट्जरलैंड में होने वाले ग्रैंड फाइनल के लिए पहले ही स्थान बना चुके हैं।2025 डायमंड लीग चैंपियन का फैसला करने के लिए पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा 28 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इस सीजन में अपने दो डायमंड लीग मुकाबलों में 27 वर्षीय भारतीय एथलीट ने पेरिस चरण में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल की, जबकि दोहा में उन्होंने 90.23 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। चोपड़ा और वेबर दोनों 15 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट तीन स्पर्धाओं में 17 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।2012 लंदन ओलंपिक चैंपियन वाल्कॉट सिलेसिया में 82.54 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा के भी ज्यूरिख में होने वाले ग्रैंड फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने अभी तक ज्यूरिख डायमंड लीग फाइनल में अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

फिट और बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ही प्राथमिकता दें : मांजरेकर

मुम्बई ।पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगर लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते तो उन्हें मुख्य गेंदबाजी आक्रमण में जगह न देते हुए आराम दिना चाहिये। मांजरेकर के अनसार फिट और बेहतर प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ियों को ही पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए।इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि मेरे लिए, मैच फिट, उत्साही, और प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ी पहले आते हैं और इन्हें बड़े खिलाड़ियों से पहले टीम में जगह देनी चाहिये। मांजरेकर ने ये बातें बुमराह के कार्यभार प्रबंधन के कारण टीम के लिए लगातार उपलब्धि न रहने को देखते हुए कही है। बुमराह हाल में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में केवल तीन मैच ही खेले। ये भी संयोग रहा कि जिन मैचों में भी वह शामिल नहीं थे। उसमें टीम को जीत मिली। मांजरेकर ने इसी को लेकर कहा, 'खेल हमेशा हमें आईना दिखाएगा, चाहे हम चीजों को कितना भी बेहतर बताने का प्रयास करें ।भारत ने जिन दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल की, वे दो मैच थे जिनमें बुमराह नहीं खेले इस सीरीज ने उन्हें और हमें भी एक बड़ा सबक सिखाया है, भारत ने जिन दो टेस्ट जीत हासिल कीं उसमें युवा खिलाड़ी ही शामिल थे। संजय ने आगे कहा, 'इस बार टीम में विराट कोहली , रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नहीं थे। इसने हमें खेल ने बताया कि इसी तरह भारत को बुमराह को संभालना चाहिए। अगर वह लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते या कभी-कभी एक से भी अधिक नहीं खेल सकते, तो उन्हें मुख्य टीम में नहीं होना चाहिए।'

ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पूर्वी क्षेत्र के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह वर्तमान में यूके में नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी क्रिकेट के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र की टीम में ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। किशन को चोट के कारण कई टांके लगाने पड़े, यही वजह है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ऋषभ पंत की जगह नहीं चुना गया था, क्योंकि सुपरस्टार बल्लेबाज पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। आखिरकार, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में तमिलनाडु के नारायण जगदीशन को उनकी जगह लिया गया।

किशन की चोट गंभीर नहीं है क्योंकि पूर्वी क्षेत्र के लिए अभियान के पहले मैच में न खेल पाना एहतियाती कदम है क्योंकि वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो चार दिवसीय मैच खेलने वाली भारत ए टीम में शामिल होने के लिए दौड़ में हो सकते हैं। किशन बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में अपनी रिकवरी और मूल्यांकन जारी रखेंगे। कुमार कुशाग्र उनकी जगह पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं।

इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र को तेज गेंदबाज आकाश दीप की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। उनकी चोट या अन्य परेशानी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर जहां वह पीठ दर्द के कारण चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए थे, जिसमें बर्मिंघम में 10 विकेट भी शामिल है और उन्होंने ओवल में अंतिम टेस्ट मैच में एक शानदार अर्धशतक भी बनाया था। असम के मुख्तार हुसैन ने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम में उनकी जगह ली है।

ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत शुभमन गिल की अगुवाई वाले नॉर्थ जोन के खिलाफ स्टेडियम में करेगा। रियान पराग, ईश्वरन को उप-कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। टीम में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है और मुकेश कुमार भी।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच के लिए ईस्ट जोन की टीम

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेट कीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, दानिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

सैंटोस की करारी हार से टूटे स्टार फुटबॉलर नेमार, बीच मैदान पर फूट-फूटकर रोने लगे

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलोगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे।लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल किए। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोल ने बेहतरी स्कोरलाइन को और मजबूत किया। नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया। इस दौरान नेमार ने कहा कि, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। फैंस को विरोध करने का पूरा अधिकार है जाहिर है बिना हिंसा के... लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नेमार ने आगे कहा कि, ये बेहद शर्मिंदगी का एहसास है। मैंने जिंदगी में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। बदकिस्मती से ऐसा हुआ। आंसू गुस्से से थे। बदकिस्मती से मैं किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता। खैर ये पूरी तरह से बकवास था। यही सच्चाई है। जले पर नमक छिड़कते हुए नेमार को इस सत्र का तीसरा येलो कार्ड भी मिला। इससे वह बहियो खिलाफ अगले मैच से बाहर हो गए।

सिनसिनाटी ओपन : मेक्टिक-राजीव ने जीता मेंस डबल्स खिताब, डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने विमेंस डबल्स में मारी बाजी

सिनसिनाटी। सिनसिनाटी ओपन के मेंस डबल्स में निकोला मेक्टिक-राजीव राम ने लोरेंजो मुसेट्टी-लोरेंजो सोनेगो को शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। साल के अपने तीसरे ही इवेंट में एक साथ अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेलते हुए मेकटिक-राम की जोड़ी ने 90 मिनट तक चले मुकाबले में इतालवी जोड़ी को 4-6, 6-3, 10-5 से शिकस्त देकर बतौर टीम अपनी पहली ट्रॉफी जीती। 41 साल 4 महीने की उम्र में राजीव राम सिनसिनाटी में ओपन एरा के दूसरे सबसे उम्रदराज मेंस डबल्स चैंपियन बन गए हैं। इस मामले में उनसे आगे 42 वर्षीय डेनियल नेस्टर हैं, जिन्होंने 2015 में एडवर्ड रोजर-वेसलिन के साथ यह खिताब जीता था। फाइनल में पहुंचकर मेक्टिक उन चुनिंदा सक्रिय डबल्स खिलाड़ियों में शामिल हो गए, जिन्होंने सभी नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स फाइनल खेले। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोहन बोपन्ना और माटे पाविक के नाम थी। वहीं दूसरी ओर, विमेंस डबल्स फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की-एरिन राउटलिफ ने गुओ हान्यू-एलेक्जेंड्रा पानोवा को 6-4, 6-3 से शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। सिनसिनाटी की यह जीत इस सीजन उनका दूसरा और बतौर जोड़ी कुल छठा खिताब है। इस जीत के बाद डब्ल्यूटीए डबल्स रैंकिंग में राउटलिफ सातवें नंबर पर बनी रहेंगी। वहीं, डाब्रोव्स्की पांच स्थान की छलांग लगाकर नंबर 8 पर पहुंच जाएंगी। डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने दो साल पहले मॉन्ट्रियल में पहली बार जोड़ी बनाई थी, जिसके बाद दोनों ने मिलकर पांच खिताब जीते। इनमें यूएस ओपन और डब्ल्यूटीए फाइनल शामिल हैं। इस दौरान जोड़ी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी हासिल की। यह सिनसिनाटी में राउटलिफ का लगातार दूसरा खिताब है।

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे।

इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक 10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे।

इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।

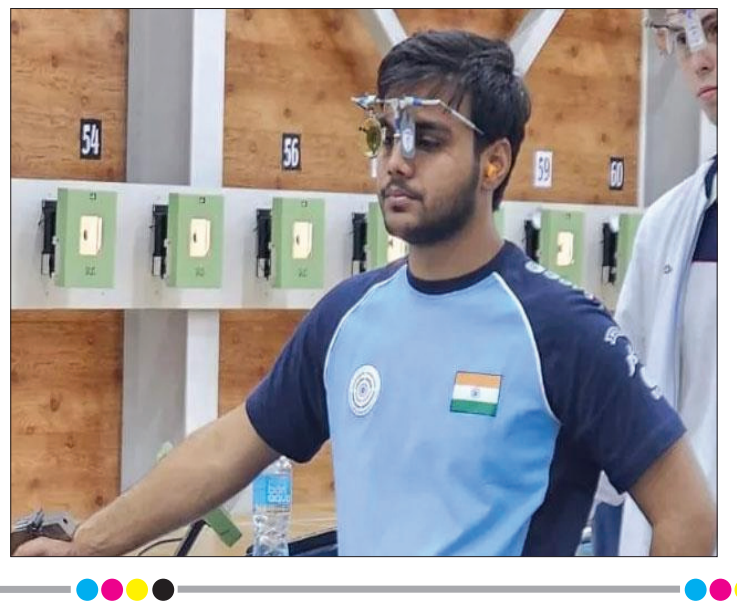

डब्ल्यूडब्लयूई चैम्पियन लोगन पॉल की नेटवर्थ करोड़ों में पहुंची

सेन डियागो । मॉडल नीना अगडल से शादी करने वाले डब्ल्यूडब्लयूई के अमेरिकी चैम्पियन लोगन पॉल करोड़ों की संपत्ति के भी मालिक हैं। लोगन ने रेसलर के साथ ही यूट्यूबर के तौर पर भी काम करके मोटी कमाई की है। उनकी नेटवर्थ करोड़ों में पहुंच गयी है। लोगन डब्ल्यूडब्लयूई के अलावा प्राइम हाइड्रेशन, यूट्यूब चैनल और स्पॉन्सरशिप से से भी कमाई करते हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 150 मिलियन डॉलर है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, यूट्यूब से उनकी अनुमानित मासिक आय 300,000 डॉलर से 600,000 डॉलर के बीच है। वह 2017, 2018 और 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले यूट्यूबर भी थे। उनका पॉडकास्ट भी बहुत लोकप्रिय है। वह अक्सर पॉडकास्ट पर डब्ल्यूडब्लयूई के आंकड़े पेश करते हैं, जिससे भी इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा, उनके पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर 90 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जिससे उन्हें कमाई करने और स्पॉन्सरशिप डील हासिल करने में सहायता मिलती है। एक अनुमान के अनुसार वह वह प्रायोजकों से किये करार से हर महीने 150,000 डॉलर से 300,000 डॉलर कमाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पलेट्स सजाएं।
* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।

बटुआ बना नया फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है। अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोल प्लाजा कर्मियों ने कहासुनी पर सेना के जवान से की मारपीट, वीडियो वायरल

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ के टोल प्लाजा पर एक मारपीट का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो सरूरपुर थाना क्षेत्र के भुनी टोल प्लाजा का बताया जा रहा है। आरोप है कि यहां टोल कर्मियों ने एक सेना के जवान के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये पूरा मामला रविवार रात का मेरठ के सरूरपुर थाना क्षेत्र के भुनी टोल प्लाजा का है। यहां पास के ही एक गांव का रहने वाले कपिल सेना में पदस्थ है। उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर में है। बताया जाता है कि कपिल कार से अपने दोस्त के साथ दिल्ली जा रहा थे और जब वह करनाल हाइवे पर भुनी टोल प्लाजा पर पहुंचे तो टोल पर जाम और टोल फीस को लेकर टोलकर्मियों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया जिसके बाद टोल कर्मियों ने सेना के जवान की जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि जवान की लात, घूंसों और डंडे से पिटाई की जा रही है। वहीं, इस दौरान एक टोलकर्मी ने तो मारने के लिए ईंट उठा रखी है। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कुछ देर बाद कपिल पक्ष के लोग भी पहुंच गए और जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

दिल्ली में डीपीएस समेत कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराए गए भवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी और आनन फानन में स्कूलों को खाली कराया गया। जानकारी के मुताबिक जिन स्कूलों को बम की धमकी दी गई है उनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल, श्रीराम वर्ल्ड स्कूल और मॉर्डन स्कूल शामिल हैं। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ते के साथ दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई हैं। एहतियातन स्कूलों को खाली कराकर सभी छात्रों को वापस घर भेज दिया गया है। बता दें कि स्कूल-कॉलेजों को बम की धमकी मिलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इस साल अब तक कई बार दिल्ली समेत देशभर के कई स्कूल-कॉलेज और हवाईअड्डों को ऐसी धमकियां मिल चुकी है। हालांकि, हर बार यह धमकी महज अफवाह ही साबित हुई हैं।दिल्ली पुलिस के अनुसार, दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) द्वारका, मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल और सेक्टर 10, द्वारका स्थित श्रीराम वर्ल्ड स्कूल को एक ईमेल आईडी के जरिये धमकी मिली। सुरक्षा उपाय के तौर पर, स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते के साथ दमकल विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। पुलिस की टीमें सभी स्कूलों में गहनता से तलाश जारी है।हालांकि पिछली दो बम धमकियां अफवाह निकलीं, सुरक्षा एजेंसियां आज की सूचना को गंभीरता से ले रही हैं और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं। अभी तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

गुजरात में निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर आप तैयारियों में जुटी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में आगामी निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) तैयारियों में जुट गई है। गुजरात में आगामी निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच आप गुजरात के सभी पंचायत और निकाय चुनावों को पूरे दमखम से लड़ने के लिए तैयार है। पार्टी ने सोमवार को राज्य में आगामी निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर सभी पंचायतों और निकायों में अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। गुजरात में आप के प्रदेश अध्यक्ष इशुदान गढ़वी ने प्रदेश के युवाओं को उम्मीदवार बनने के लिए आमंत्रित किया है।

टोल प्लाजा कर्मियों ने कहासुनी पर सेना के जवान से की मारपीट, वीडियो वायरल

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ के टोल प्लाजा पर एक मारपीट का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो सरूरपुर थाना क्षेत्र के भुनी टोल प्लाजा का बताया जा रहा है। आरोप है कि यहां टोल कर्मियों ने एक सेना के जवान के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये पूरा मामला रविवार रात का मेरठ के सरूरपुर थाना क्षेत्र के भुनी टोल प्लाजा का है। यहां पास के ही एक गांव का रहने वाले कपिल सेना में पदस्थ है। उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर में है। बताया जाता है कि कपिल कार से अपने दोस्त के साथ दिल्ली जा रहा थे और जब वह करनाल हाइवे पर भुनी टोल प्लाजा पर पहुंचे तो टोल पर जाम और टोल फीस को लेकर टोलकर्मियों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया जिसके बाद टोल कर्मियों ने सेना के जवान की जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि जवान की लात, घूंसों और डंडे से पिटाई की जा रही है। वहीं, इस दौरान एक टोलकर्मी ने तो मारने के लिए ईंट उठा रखी है। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कुछ देर बाद कपिल पक्ष के लोग भी पहुंच गए और जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

लोगों से लाखों की धोखाधड़ी कर ठगी करने वाले छह साइबर आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले में तीन अलग-अलग मामलों में लोगों से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में पुलिस ने छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, फर्जी सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक दो भाइयों को नटराज पेंसिल कंपनी के नाम पर घर बैठे काम दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इन मोबाइल फोन पर दोनों भाइयों ने राजीव सिंह और पूजा देवी के नाम से फर्जी व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट बना रखे थे। एक अन्य मामले में, फिरोजपुर धाहर गांव के एक अन्य आरोपी को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

उपराष्ट्रपति के पद पर राधाकृष्णन की जीत लगभग तय, विपक्ष के लिए खड़ी हुईं चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले माह 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होने जा रहा है। इसके लिए एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। वोटों की संख्या के आधार पर माना जा रहा है कि राधाकृष्णन की जीत लगभग तय है। इसके बाद भी विपक्ष संभवता अपना उम्मीदवार उतार सकता है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन के सामने कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो गई है। एनडीए का कहना है कि विपक्ष से बात करके उनका समर्थन मांगेंगे। कोशिश करेंगे कि चुनाव निर्विरोध हो जाए।

वहीं जानकारों का मानना है कि एनडीए के इस दांव से विपक्षी दलों के सामने कुछ चुनौतियां जरुर खड़ी हुई हैं। खासतौर से तमिलनाडू में डीएमके के लिए। जहां ओबीसी के नेता का विरोध करना इनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इसी तरह दूसरे दलों को भी विरोध करने में ओबीसी फैक्टर दिक्कतें खड़ीं कर सकता है। वहीं सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कॉल कर एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के लिए समर्थन मांगा है। एनडीए के नेताओं ने खुलकर समर्थन का ऐलान भी किया है। बीजेपी चाहती है कि विपक्ष के साथ आम सहमति बन जाए ताकि चुनाव न कराना पड़े। इसलिए राजनाथ सिंह विपक्ष से बातचीत में लग गए हैं। खरगे का क्या जवाब रहा, इस पर कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

जीते के लिए चाहिए 391 वोट

543 सदस्यीय लोकसभा में 542 सदस्य अभी मौजूद, बंगाल की एक सीट खाली है। इसी तरह 245 सदस्यीय राज्यसभा में 6 सीटें खाली, जिनमें से 4 जम्मू-कश्मीर, 1 पंजाब और 1 झारखंड से हैं। और 239 वोट हैं। इस तरह कुल 781 वोट होंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में होंगे। इसमें एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन की स्थिति को देखें तो 293 सदस्यों का लोकसभा में और 129 का राज्यसभा में समर्थन प्राप्त है। इस तरह 422 सदस्य राधाकृष्णन के समर्थन में होंगे, जिससे उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है।

राहुल गांधी का समर्थन कर प्रशांत किशोर ने दी चुनाव आयोग को चुनौती

पटना (एजेंसी)। जन सुराज के संस्थापक और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में आकर चुनाव आयोग (ईसीआई) को चुनौती दी है। यह मामला तब सामने आया जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए मतदाता सूची से संबंधित आरोपों को निराधार बताकर उन्हें अपने दावों का सबूत देने के लिए 7 दिन की मोहलत दी, अन्यथा पूरे देश से माफी मांगने की बात कही। इस पर प्रशांत किशोर ने कहा कि चुनाव आयोग को आरोपों का बिंदुवार जवाब देना चाहिए, बजाय इसके कि वह राहुल गांधी से माफी मांगने के लिए कह दें। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि अगर राहुल गांधी चुनाव आयोग की बात नहीं मानते हैं, तब चुनाव आयोग क्या कर लेगा?

पीके ने इस मुद्दे को राहुल गांधी बनाम चुनाव आयोग बनाने के बजाय, सार्वजनिक डोमेन में मौजूद जानकारी के रूप में देखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को खुद ही इन मामलों की जांच करनी चाहिए और जांच के बाद बिंदुवार उत्तर देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने चुनाव आयोग से फॉर्म 20, फॉर्म 19 और फॉर्म 6 जैसे डिजिटल डेटा को सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने चुनाव आयोग के प्राइवेसी के तर्क को खारिज कर कहा कि ऐसा करना लोगों को बेवकूफ बनाने जैसा है। पीके ने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ने मतदाताओं को चोर नहीं कहा है, बल्कि उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए हैं।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी, 11 जिलों में हाई अलर्ट जारी

– प्रशासन ने नहरों, नालों और पुरानी इमारतों के आसपास न जाने की दी हिदायत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बारिश से हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। प्रशासन ने अगले 56 घंटे तक हाई अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 18 और 19 अगस्त को भारी बारिश की आशंका जताई है। इसके चलते जम्मू संभाग में सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं वैष्णो देवी यात्रा भी रोक दी है और पहाड़ी इलाकों में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंधित लगा दिया है। प्रशासन ने नहरों, नालों और पुरानी इमारतों के आसपास न जाने की सख्त हिदायत दी है। निचले इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है।

मौसम विभाग ने जम्मू संभाग और कश्मीर के 11 जिलों जिसमें जम्मू, रियासी, उधमपुर, राजौरी, पुंछ, सांबा, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, रामबन और कश्मीर के कुछ हिस्सों में बादल फटने और लैंडस्लाइड की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना की टीमों को अलर्ट पर रखा है। बता दें रविवार सुबह कठुआ जिले में तीन जगह बादल फटने की घटनाएं हुई थीं, जोद घाटी में सात लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक लैंडस्लाइड से दो

से तीन घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और कई लोग मलबे में फंसे हुए हैं। हाईवे और रेलवे ट्रैक भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हैं। 14 अगस्त को किश्तवाड़ के चसोटी गांव में भी बादल फटने से तबाही मची थी। इस घटना में अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। 500 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है जबकि 180 घायल हैं।

कठुआ और किश्तवाड़ में सेना और राहत एजेंसियां लगातार काम कर रही हैं। एनडीआरएफ की तीन टीमें, सेना के 300 से ज्यादा जवान, पुलिस और एसडीआरएफ के साथ मिलकर मलबा हटाने और लोगों को सुरक्षित निकालने का काम कर रहे हैं। घायलों को जम्मू और किश्तवाड़ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। चसोटी गांव में हालात इतने भयावह हैं कि लोग प्रशासन पर नाराजगी जता रहे हैं।

उत्तराखंड में आसमान से उतरी तबाही की बारिश- सैकड़ों तीर्थयात्री फंसे, गंगोत्री हाईवे बंद

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बीते कई दिनों से हो रही बारिश आफत बन गई है। द्वितीय केदार मद्महेश्वर पैदल मार्ग बनतोली के पास भूस्खलन से लगभग 50 मीटर ध्वस्त हो गया, जिससे मद्महेश्वर लौट रहे सैकड़ों तीर्थयात्री मार्ग में फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रस्सी के सहारे यात्रियों को सुरक्षित दूसरी तरफ लाया जा रहा है। वहीं, रिश के कारण गंगोत्री नेशनल हाईवे पर भी जगह-जगह भूस्खलन और भूधंसाव हुआ है।

उत्तराखंड आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि पैदल मार्ग में करीब 200 यात्री फंसे थे, जिन्हें रेस्क्यू टीमों द्वारा सुरक्षित निकाला जा रहा है। मार्ग पर मलबा हटाने का काम रविवार देर रात तक जारी रहा और दोनों छोरों से रस्सी बांधकर यात्री सुरक्षित निकाले गए। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग, ऊखीमठ की टीम भी बनतोली की ओर रवाना की गई।

बारिश के कारण गंगोत्री नेशनल हाईवे पर भी जगह-जगह भूस्खलन और भूधंसाव हुआ। डबराणी से सोनगाड़ तक कई स्थानों पर मार्ग 13 दिनों से बाधित है। रविवार को नालूपानी और सालंग पुल के पास भारी मलबा और बोल्डर गिरने से हाईवे बंद रहा। इसी कारण मुसाफिर और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हर्षिल घाटी में प्रभावित धराली और आठ अन्य सीमावर्ती गांवों में जिला प्रशासन ने खाद्यान्न आपूर्ति सुनिश्चित की। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर ग्रामीणों तक सस्ते गल्ले की दुकानों से अग्रिम राशन पहुंचाया गया, ताकि आपदा से प्रभावित लोगों को राहत मिल सके।

इसके अलावा पुरोला-करड़ा-धड़ोली मोटर मार्ग पर भी सड़क धंसने से आवाजाही ठप हो गई, जिससे सेब बागवानों की फसल मंडियों तक पहुंचने में जोखिम में है। बागवानों ने बताया कि सड़क समय पर नहीं खुली तो गोदामों में रखी सेब की सैकड़ों पेटियां सड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो सकता है। मौसम विभाग ने चमोली और आसपास के जिलों में भारी और मध्यम बारिश की संभावना जताई है और नदियों के जलस्तर में वृद्धि के चलते बाढ़ जैसी स्थिति की चेतावनी दी है। फिलहाल प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं। चमोली जिले में गोपेश्वर, बदरीनाथ समेत अन्य स्थानों

पर भी बारिश जारी रही। बदरीनाथ हाईवे के पागल नाला और भन्देपुर सहित अन्य हिस्सों पर मलबा और बोल्डर गिरने से सड़क अवरुद्ध रही। जिले में करीब 20 ग्रामीण सड़कें भी बंद पड़ीं, जिन्हें मशीनों से मलवा हटाकर सुचारू किया जा रहा है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को दिखाया आईना, राहुल गांधी का व्यवहार पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए वोट चोरी आरोप को बेतुका बताया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में अराजकता फैला रहे हैं। रविवार को चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता के दौरान राहुल गांधी को हलफनामा देने के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम देने पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने बिलकुल सही बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं, वहां कतई नहीं है। उन्होंने कहा कि हर काम करने की एक तय प्रक्रिया होती है। अगर किसी राजनीतिक दल को मतदाता सूची प्रकाशन और संशोधन पर आपत्ति है, तब वह आधिकारिक तौर पर उठा सकता है। लेकिन, राहुल गांधी देश में अफवाहें फैला रहे हैं। उनका आचरण न लोकतांत्रिक है और न ही संवैधानिक, बल्कि राहुल गांधी का व्यवहार पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह की हरकतें निंदनीय हैं। एनडीए द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करने पर कहा कि मैं इसका स्वागत करता हूं और राधाकृष्णन को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को आदिवासी समुदाय से एक राष्ट्रपति मिला है और अब ओबीसी वर्ग से एक उपराष्ट्रपति होगा। यह बहुत बड़ा संदेश है, वहां दक्षिण भारत से आते हैं। एनडीए ने जो फैसला लिया है, यह बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। मैं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बधाई देता हूं।

विदेश में बैठकर कई गैंगस्टर देश में करवा रहे है हत्याएं और जबरन वसूली

–तीन बड़ी घटनाओं के बाद पुलिस की कार्यशैली और मुखबिर तंत्र पर उठ रहे सवाल

गुरुग्राम (एजेंसी)। विदेश में बैठे कई बड़े गैंगस्टर इन दिनों गुरुग्राम पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं। देश के बाहर से अपने गैंग चला रहे गिरोह के गुर्गे वसूली, दहशत फैलाने के लिए फायरिंग, सुपारी किलिंग और रंगदारी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। बीते एक महीने में एक के बाद एक हुईं तीन बड़ी घटनाएं पुलिस की कार्यशैली और मुखबिर तंत्र पर सवाल खड़े कर रही हैं।

मशहूर हरियाणवी गायक राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग के 20 दिन बाद उसके करीबी रोहित शौकीन की गोली मारकर हत्या और फिर अब मशहूर यूट्यूबर व राहुल के दोस्त एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। ये तीन मामले एक महीने के अंदर ही हुए हैं। इन घटनाओं की एक-दूसरे से जुड़े हुए गैंगस्टरों ने ही जिम्मेदारी ली है। राहुल फाजिलपुरिया पर हमले के एक महीने बाद भी अब तक शूटर नहीं पकड़े गए। दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है जो रेकी करने वाले थे।

वहीं रोहित शौकीन की हत्या को 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त दूर हैं। गुरुग्राम पुलिस को चुनौती देती हुई अब ये तीसरी घटना रविवार सुबह हुई जिसमें पुलिस के हाथ अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। राहुल फाजिलपुरिया पर 14 जुलाई की रात फायरिंग की गई थी। कार सवार हमलावरों ने उनका पीछा किया था और एसपीआर रोड पर उनकी थार गाड़ी रुकवाकर गोलीबारी की थी। इस हमले में राहुल फाजिलपुरिया बाल-बाल बच गए थे। इस हमले के बाद गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने जिम्मेदारी ली थी और कहा था कि अगर वह दीपक नांदल के पांच करोड़ नहीं देगा तो उसके करीबियों की हत्या की जाएगी।

इस धमकी के 20 दिन बाद ही राहुल के करीबी दिल्ली के नांगलोई के रहने वाले रोहित शौकीन की राहुल के घर के पास ही एसपीआर रोड पर 4 अगस्त की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया था कि दीपक नांदल ने ही रोहित को फोन कर गुरुग्राम बुलाया था। उसके बाद वारदात की गई, जिस तरह रविवार सुबह एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई, इसका मकसद गैंगस्टर द्वारा इलाके में दहशत पैदा करना है।

गैंगस्टर गोलियां मारकर हत्या करना और इतनी बड़ी संख्या में फायरिंग करने का ट्रेंड अपनाते रहे हैं। इसकी शुरुआत गैंगस्टर कौशल गिरोह ने की थी। उसके बाद लॉरेंस बिश्नोई, फिर उससे जुड़े हुए गिरोह के लोगों ने इसी तरह से कई हत्याएं कीं। घटना के बाद गैंगस्टर का नाम जुड़ने ही एसटीएफ की टीमें भी सतर्क होग गई हैं। राहुल फाजिलपुरिया पर हमला, रोहित शौकीन की हत्या के बाद अब एल्विश यादव के घर पर फायरिंग के मामले में भी एसटीएफ की टीम अपनी तरफ से जांच में जुट गई हैं।

एसटीएफ के सूत्रों का कहना है कि जब भी ऐसे मामले सामने आते हैं या कोई गैंगस्टर इस तरह से घटना की जिम्मेदारी लेता है तो एसटीएफ खुद ही संज्ञान लेकर उस पर काम शुरू कर देती है। एसटीएफ की तरफ से कहा गया है कि फिलहाल गुरुग्राम पुलिस के साथ मिलकर टीमें जांच कर रही हैं। पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप कुमार ने कहा कि सभी मामलों में पुलिस टीमें तेजी से जांच कर रही हैं। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बंगाल में लगेंगे 45 हजार दुर्गा पंडाल, सीएम ममता पंडालों को दे रही 500 करोड़

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस बार 45 हजार से ज्यादा दुर्गा पंडाल बनाए जा रहे हैं। इनमें से 3100 सिर्फ कोलकाता में लगाए जाएंगे। साल 2026 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इस बार सीएम ममता बनर्जी हरेक पंडाल को 1.10 लाख रुपए की अनुदान राशि दे रही हैं। इस हिसाब से देखें तो राज्य सरकार करीब 500 करोड़ रुपए दुर्गा पंडालों को मदद दे रही हैं।

बता दें सीएम ममता बनर्जी ने 2018 में पंडालों को अनुदान देना शुरू किया था। तब 28 हजार पंडाल थे और हरेक को 10 हजार रुपए दिए जाते थे। अब पंडाल 60 फीसदी बढ़ गए हैं और अनुदान 11 गुना। पिछले साल 85 हजार रुपए दिए गए थे। इस बार सीधे 25 हजार रुपए बढ़ाए गए हैं। बीजेपी का आरोप है कि चुनाव नजदीक हैं, इसलिए सीएम ममता ने अनुदान बढ़ाया है।

विश्वविद्यालय के इकोनॉमिक्स विभाग के एचओडी कहते हैं, 10 दिनी शारदीय नवरात्र बंगाल की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह छोटे से लेकर बड़े सेक्टर

तक को आर्थिक ताकत देती है। सरकारी आंकड़ा है कि पिछले साल इन 10 दिन में 80 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ था। इस बार यह एक लाख करोड़ तक पहुंच सकता है, क्योंकि हर चीज के दाम पिछले साल से ज्यादा हैं और पंडाल भी बढ़ गए हैं। पूजा कमेटियों का कहना है कि बीते सात साल में लेबर, कच्चा माल, लाइटिंग, पूजन सामग्री, सजावट आदि का खर्च 60 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुका है। इसलिए पंडालों को भी ज्यादा रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं।

स्क्वॉयर पूजा पंडाल के आयोजक सजल घोष कहते हैं कि हम टीएमसी सरकार से अनुदान नहीं लेते हैं, क्योंकि सरकार इन्हें खुद का प्रचार का मंच बना चुकी है। अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव हैं, इसीलिए ममता ने 25 हजार रुपए ज्यादा अनुदान दे रही हैं। वहीं, विधानसभा के स्पीकर और तृणमूल नेता बिमान बनर्जी ने कहा कि अनुदान देने में सरकार कोई सियासी फर्क नहीं करती। कोलकाता में 4-5 बीजेपी समर्थित पंडाल हैं, लेकिन सरकार इन्हें भी अनुदान देती है। बीजेपी का काम ही आरोप लगाना है।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्वागत करने सजने लगा लखनऊ

–नगर निगम ने सड़क और पार्क का नाम शुभांशु रखने का लिया फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के स्वागत की तैयारी हो रही हैं। शुभांशु जिन्होंने हाल ही में अंतरिक्ष मिशन के जरिए भारत का नाम दुनिया में रोशन किया है। इस वजह से उनके सम्मान में नगर निगम ने कई अहम फैसले लिए हैं। महापौर सुषमा खरकवाल ने बताया कि नगर निगम की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया है कि उनके घर तक जाने वाली सड़क और शहर का एक पार्क उनके नाम पर रखा जाएगा। यह कदम न केवल उन्हें सम्मान देने के लिए है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से भी उठाया गया है।

महापौर ने कहा कि शुभांशु शुक्ला लखनऊ शहर में पैदा हुए हैं वह हमारे शहर का गौरव है, हम भाग्यशाली हैं कि हमारे शहर का एक बच्चा विश्वपटल पर अपना नाम रोशन कर चुका है। उन्होंने कहा है कि आज पूरी दुनिया शुभाशु शुक्ला को जानती है। महापौर ने कहा कि शुभांशु उनके घर की रोड को उनके नाम से कर दिया है और सदन में बधाई देकर सबसे पहले इस काम को किया जाएगा।

वहीं उन्होंने एक और अहम फैसला लेते हुए कहा है कि उनके घर के पास नगर निगम एक पार्क बनवाएगा। उनके लखनऊ आगमन को लेकर सुषमा खरकवाल ने कहा कि जिस दिन वह शहर आएंगे उस दिन नगर निगम और सभी पार्षदों के साथ उनका जोरदार स्वागत के करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद रहेंगे। महापौर ने कहा कि शुभांशु शुक्ला आज न केवल लखनऊ बल्कि पूरे देश का गर्व बन चुके हैं।

लखनऊवासी उनके इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं और शहर उन्हें अपना नायक मानकर भव्य स्वागत की तैयारी में जुटा है। शहर के हर कोने में चर्चा है कि जिस युवा ने आसमान में देश का नाम रोशन किया, उसका सम्मान लखनऊ को और गौरवान्वित करेगा। शुभांशु के स्वागत से शहर का माहौल देशभक्ति और गर्व की भावना से सराबोर होगा। नगर निगम का यह फैसला न केवल एक औपचारिक कदम है बल्कि यह संदेश भी है कि लखनऊ अपने सपूतों के योगदान को कभी नहीं भूलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के उप पीएम बोले- भारत से संबंध रोटी-बेटी से भी आगे के

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के उपप्रधानमंत्री प्रकाश मान सिंह ने भारत को उसके 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, नई दिल्ली-काठमांडो संबंध सिर्फ रोटी और बेटी तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आयामों तक भी फैले हुए हैं। उन्होंने शुक्रवार को ललितपुर में भारतीय दूतावास के ध्वजारोहण कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, भारत-नेपाल संबंध अपने आप में बेहद खास हैं। हमारी सीमाएं खुली हैं और हमारे बीच सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत निकटता है। सिंह ने कहा, दोनों देशों में द्विपक्षीय संबंधों को आपसी सहयोग और भी प्रगाढ़ किया जाएगा।

म्यांमार के मोगोक में सेना के हमले में 16 महिलाओं समेत 21 की मौत

मोगोक, एजेंसी। म्यांमार के मोगोक शहर में सेना के हवाई हमले में 16 महिलाओं सहित 21 लोग मारे गए और सात घायल हो गए। मृतकों में एक गर्भवती भी थी। इस शहर पर पिछले साल जुलाई में तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) ने कब्जा कर लिया था। टीएनएलए, सेना के खिलाफ लड़ने वाले शक्तिशाली जातीय मिलिशिया में से एक है। टीएनएलए के प्रवक्ता लवे याय ऊ ने बताया, हमला बृहस्पतिवार की रात 8:30 बजे मोगोक टाउनशिप के श्वेगु वार्ड में हुआ। इसमें कई घरों और बौद्ध मठों को भी नुकसान पहुंचा है। फरवरी 2021 में सेना के सत्ता हथियाने के बाद शुरू हुए गृहयुद्ध के बीच विद्रोही समूहों से क्षेत्र को फिर से पाने के लिए यहां हमले तेज हो गए हैं।

पाकिस्तान में ट्रेन हादसा, एक की मौत कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को हुए एक ट्रेन हादसे में एक यात्री की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर जाने से कम से कम एक यात्री की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पेशावर से कराची जा रही आवाम एक्सप्रेस लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर पंजाब के लोधरान जिले में पटरी से उतर गई। उन्होंने कहा, ट्रेन के लगभग चार डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें एक यात्री की मौत हो गई और 25 घायल हो गए। घायलों में तीन यात्रियों की हालत बेहद गंभीर है। इस महीने पंजाब में ट्रेन के पटरी से उतरने की यह तीसरी घटना है। पिछले सोमवार को, लाहौर के रायविंड में मूसा पाक एक्सप्रेस के दो डिब्बे और इंजन पटरी से उतर जाने से पांच यात्री घायल हो गए थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लाहौर से मुल्तान जा रही थी। इस महीने की शुरुआत में लाहौर से इस्लामाबाद जा रही इस्लामाबाद एक्सप्रेस के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए थे, जिसमें 30 यात्री घायल हो गए थे।

सर्बिया में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया में लगातार हो रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच शनिवार को हालात और बिगड़ गए। प्रदर्शनकारियों की राजधानी बेलग्रेड और पश्चिमी सर्बिया के शहर वाल्जेवो में पुलिस के साथ झड़प हो गई। वाल्जेवो में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति अलेक्सांद्र वुसिक के खिलाफ नारे लगाए और सत्तारूढ़ पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी के दफ्तर में आग लगा दी। इसके बाद दंगा पुलिस से भिड़ंत हो गई। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और गोलियां चलाईं। जवाब में प्रदर्शनकारियों ने पत्थर, बोतलें और आगजनी की। बेलग्रेड में भी शाम को ऐसी ही झड़पें हुईं, जहां प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदान में आग लगा दी। गौरतलब है कि नवंबर में एक रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। लोगों का आरोप है कि भ्रष्टाचार और घटिया काम की वजह से यह हादसा हुआ। उसी समय से देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। शुरू में ये शांतिपूर्ण थे, लेकिन अब हिंसक हो गए हैं।

ट्रम्प ने वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड की तैनाती बढ़ाई

तीन राज्यों से 700 सैनिक बुलाए, राष्ट्रपति बोले थे- राजधानी में हालात काबू से बाहर

वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प राजधानी वॉशिंगटन डीसी में और ज्यादा गार्ड तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके आदेश पर वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना और ओहियो के गवर्नरों ने शनिवार को अपने राज्यों के नेशनल गार्ड्स को वॉशिंगटन भेजने की घोषणा की है। वेस्ट वर्जीनिया से 300-400, साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से करीब 150 नेशनल गार्ड आएंगे। अभी वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं। इन्हें सीधा ट्रम्प कंट्रोल करते हैं।

इन तीन राज्यों से लगभग 700 एक्स्ट्रा सैनिकों के आने से वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। हालांकि नेशनल गार्ड्स की तैनाती को लेकर शनिवार को लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले 12 अगस्त को ट्रम्प ने वॉशिंगटन को केंद्र सरकार के कंट्रोल में ले लिया था। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात काबू से बाहर हैं, राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना जरूरी है।

ट्रम्प ने वॉशिंगटन की पुलिस को कंट्रोल में लिया : ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्होंने राजधानी में डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया होम रूल एक्ट की धारा 740 लागू कर दी है। इसका मतलब है कि डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस अब सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में काम करेगी। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कहा, हमारी राजधानी को हिंसक गिरोहों और अपराधियों ने घेर लिया है। 2024 में हिंसक अपराध 30 साल के निचले स्तर पर पहुंचे। हम नेशनल गार्ड की मदद से कानून और व्यवस्था बहाल करेंगे। इस साल वॉशिंगटन डीसी में 98 लोगों का कत्ल हो चुका है और नस्लीय झगड़ों के कारण 3782 लोग बेघर हुए हैं।

वॉशिंगटन की मेयर बोलीं- शहर में अपराध नहीं बढ़ा : अमेरिका में ट्रम्प के इस कदम की आलोचना हो रही है। वॉशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोउजर ने कहा- शहर में क्राइम नहीं बढ़ा है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में हिंसक अपराध 35प्रतिशत कम हुआ और 2025 के पहले सात महीनों में 26त्न की कमी आई। कुल अपराध भी 7प्रतिशत घटा है। हालांकि, गोलीबारी चिंता का विषय है। 2023 में अमेरिका में गोलीबारी से होने वाली हत्याओं में वॉशिंगटन तीसरे स्थान पर था।

ट्रम्प ने 52 साल पुराने नियम का इस्तेमाल किया : राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा उन्होंने 1970 के होम रूल एक्ट का इस्तेमाल किया है। यह राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वह इमरजेंसी की हालत में 48 घंटे तक शहर की पुलिस का नियंत्रण ले सकते हैं।

कानून के मुताबिक, अगर राष्ट्रपति वॉशिंगटन डीसी से जुड़े कानून बनाने वाली संसद की समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों को इसकी जानकारी दे दें, तो पुलिस का नियंत्रण लंबे समय तक रखा जा सकता है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ट्रम्प ने यह औपचारिक सूचना दी है या नहीं। नियम के मुताबिक अगर शहर पर कंट्रोल 30 दिनों से ज्यादा रखना हो, तो इसके लिए संसद में कानून पास कराना जरूरी होता है।

ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स में 5 हजार नेशनल गार्ड सैनिक तैनात किए थे : ट्रम्प ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में भी 5 हजार नेशनल गार्ड तैनात किए थे, जिसका स्थानीय नेताओं ने विरोध किया था। वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की तैनाती का अधिकार राष्ट्रपति के पास है, क्योंकि यह केंद्र शासित क्षेत्र है। पहले भी 2020 में पुलिस क्रूरता के खिलाफ प्रदर्शनों और 2021 में कैपिटल हमले के दौरान नेशनल गार्ड तैनात किए गए थे। इस बीच, सैन फ्रांसिस्को में एक मुकदमा शुरू हुआ है, जिसमें ट्रम्प प्रशासन पर बिना गवर्नर की अनुमति के नेशनल गार्ड और मरीन भेजने का आरोप है। अमेरिकी कानून सैन्य बलों को स्थानीय कानून व्यवस्था में सीधे शामिल होने से रोकता है।

परेशानी बन गए हैं नेतन्याहू, इजरायल पर भी लगें रूस जैसे प्रतिबंध: मेटे फ्रेडरिक्सन

कोपेनहेगन, एजेंसी। गाजा में जारी युद्ध और आम इंसानों की मौत ने दुनिया भर में इजरायल के खिलाफ माहौल बना दिया है। हमेशा इजरायल के सपोर्ट में खड़े दिखने वाले यूरोपीय देश भी अब खुलकर पीएम नेतन्याहू और उनकी नीतियों का विरोध करने लगे हैं। इसी क्रम में अब नया नाम डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन का भी जुड़ गया है। मेटे ने इजरायली प्रधानमंत्री को एक समस्या बताते हुए कहा कि गाजा में बिगड़ते मानवीय संकट के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए यूरोपीय संघ को भी इजरायल पर दबाव डालना चाहिए। अगर तब भी हालात नहीं सुधरते तो फिर इजरायल पर भी रूस की तरफ प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

डेनमार्क ने कई देशों द्वारा फिलिस्तीन को मान्यता देने को लेकर किए जा रहे विचार पर अपनी सहमति नहीं जताई। पीएम ने कहा कि फिलिस्तीनी राज्य को तत्काल मान्यता देने से संघर्ष कम नहीं होगा। हालांकि उन्होंने कोपेनहेगन के द्वि-राज्य समाधान के समर्थन की पुष्टि की। फ्रेडरिक्सन ने लिखा, फिलिस्तीन को अभी मान्यता देने से उन हजारों बच्चों की मदद नहीं होगी, जो वर्तमान में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह नहीं होगा चाहे आप कितना भी चाह लें। इसके बजाय हमें इजरायल और हमास दोनों पर दबाव बढ़ाने की जरूरत है।

लंबे समय तक इजरायल की मुखर समर्थक रहीं फ्रेडरिक्सन ने नेतन्याहू की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि उनकी सरकार इजरायल के हितों के विरुद्ध काम कर रही है। नेतन्याहू के बिना इजरायल ज्यादा बेहतर तरीकों से काम करेगा।

उन्होंने गाजा युद्ध में इजरायली सेना द्वारा की जा रही मासूम लोगों की हत्याओं की निंदा करते हुए इसे बेहद भयावह और विनाशकारी बताया। अपना रुख दोहराते हुए फ्रेडरिक्सन ने कहा कि डेनमार्क अभी फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा, डेनमार्क हमास को इनाम नहीं देना चाहता। हम फिलिस्तीन को मान्यता तभी देंगे जब इसके जरिए फिलिस्तीनी क्षेत्र में वास्तव में हमास से रहित स्थाई लोकतांत्रिक राज्य स्थापित हो और इजरायल भी उसे मान्यता दे।

आपको बता दें वर्तमान में यूरोपीय संघ की अध्यक्षता डेनमार्क के पास है। कोपेनहेगन की तरफ से बताया गया कि डेनमार्क इजरायल पर भी रूस की तरह ही प्रतिबंध लगाने का विचार कर रहा है। इन प्रतिबंधों का व्यापक और शक्तिशाली प्रभाव होगा। हालांकि अभी किसी भी विचार पर सहमति नहीं बन पाई है और न ही किसी उपाय को खारिज किया गया है।

रूस की इलास्टिक फैक्ट्री में विस्फोट के बाद आग, 11 लोगों की मौत; 130 से ज्यादा घायल

मॉस्को, एजेंसी। रूस से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रयाजान क्षेत्र में एक फैक्ट्री में लगी आग से 11 लोगों की मौत हो गई और लगभग 130 लोग घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार को शिलोवस्की जिले के इलास्टिक प्लांट में हुआ, जो मॉस्को से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। आपातकालीन टीमें मलबे में तलाश जारी रखे हुए हैं और शनिवार तक दो और शव बरामद किए गए।

मामले में रूसी अधिकारियों ने बताया कि फैक्ट्री के गनपाउडर वर्कशॉप में आग लगी, जिससे विस्फोट हुआ। घायलों में से 29 लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है, जिनमें 13 रयाजान और 16 को मॉस्को के मेडिकल सेंटर में स्थानांतरित किया गया है।

बता दें कि रूसी आपातकाल मंत्रालय ने बताया कि फैक्ट्री में मौजूद गनपाउडर वर्कशॉप में आग लगने से धमाका हुआ। राहत और बचाव कार्य जारी है और मलबे से शनिवार सुबह तक दो और शव निकाले गए।

प्रशासन ने बताया कि तीन लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और सोमवार को रियाजान क्षेत्र में शोक दिवस घोषित किया गया है। इस दिन झंडे झुके रहेंगे और सभी सांस्कृतिक व मनोरंजन कार्यक्रम रद्द रहेंगे। गौरतलब है कि इसी फैक्ट्री में अक्तूबर 2021 में भी एक बड़ा धमाका हुआ था, जिसमें 17 लोगों की जान गई थी।

असीम मुनीर ने राष्ट्रपति जरदारी को हटाने की बात को किया खारिज, कहा- राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को उनके पद से हटाने को लेकर चल रहे अटकलों के बीच पाकिस्तान सेना प्रमुख असिम मुनीर का बड़ा बयान आया है। उन्होंने इन अटकलों को पूरी तरह से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से गलत बताया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुनीर ने कहा कि ऐसी अफवाहें राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश हैं।

बता दें कि जुलाई में सोशल मीडिया पर यह खबरें आई थीं कि राष्ट्रपति जरदारी को हटाया जा सकता है। साथ ही सेना प्रमुख खुद देश के शीर्ष पद पर आ सकते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने इसको सिरे से खारिज कर दिया था।

ब्रुसेल्स में हुई बैठक में बोले पाकिस्तानी सेना प्रमुख : मामले में पत्रकार सुहैल वर्रैंच ने बताया कि ब्रुसेल्स में हुई एक बैठक के दौरान सेना प्रमुख मुनीर ने उन्हें बताया कि ये अफवाहें पूरी तरह गलत हैं।

मुनीर ने कहा कि भगवान ने मुझे देश का रक्षक बनाया है, मैं किसी भी पद की इच्छा नहीं रखता। इसके साथ ही राजनीतिक मेल-मिलाप के बारे में मुनीर ने कहा कि यह तभी संभव है जब सभी पक्ष ईमानदारी से माफी मांगें। यहां पर मुनीर का इशारा पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और उसके नेता इमरान खान की तरफ था।

विदेशी मामलों पर भी बोले मुनीर : इसके साथ ही विदेशी मामलों पर मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका और चीन के बीच संतुलन बनाए रखेगा और किसी एक को दूसरों के लिए कुर्बान नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रयासों को ईमानदार बताया। साथ ही कहा कि पाकिस्तान ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने में पहल की थी।

मेलेनिया ने पुतिन के नाम लिखा खत, ट्रंप ने अपने हाथों से रूसी राष्ट्रपति को दिया; क्या लिखा था?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष पुतिन के बीच अलास्का में हुई बैठक पर दुनिया भर की नजरें थीं। यह मीटिंग भले ही रूस और यूक्रेन का युद्ध अभी रुकवा नहीं पाई हो लेकिन दोनों पक्षों की तरफ से इस मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग के पहले ट्रंप ने अपनी पत्नी मेलेनिया द्वारा लिखा एक खत राष्ट्रपति पुतिन को अपने हाथों से दिया। इस खत में उन्होंने यूक्रेन के अगली पीढ़ी के लिए हमले रोकने की अपील की। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने जैसे ही यह खत पुतिन को दिया। उन्होंने बिना कोई समय गंवाए वहीं पर इसे पढ़ना शुरू कर दिया। इस पत्र को अब सार्वजनिक कर दिया है। इसमें अमेरिका की प्रथम महिला ने लिखा, हर बच्चे के दिन में एक जैसे शांत सपने होते हैं। वह ग्रामीण, शहरी क्षेत्र में या किसी भी देश में पैदा हुआ हो। वह केवल प्यार, संभावना और खतरे से सुरक्षा के सपने देखते हैं। माता-पिता होने के नाते... अगली पीढ़ी की इस आशा को पोषित करना और उसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। अपने-अपने देशों के नेताओं के रूप में हमारी जिम्मेदारी कुछ और आगे तक है।

उन्होंने लिखा, बिना किसी शक के मैं यह कह सकती हूं कि हम सभी को एक गरिमापूर्ण विश्व की कल्पना करनी चाहिए। ताकि हर इंसान शांति के साथ जाग सके और भविष्य पूरी तरह से सुरक्षित रहे।

प्रथम महिला ने लिखा, राष्ट्रपति पुतिन मुझे इस बात का यकीन है कि आप भी इस बात से सहमत होंगे कि प्रत्येक पीढ़ी के वंशज अपने जीवन की शुरुआत पवित्रता के साथ करें। एक मासूमियत के साथ, जिसमें भूगोल, सरकार या किसी विचारधारा का कोई हस्तक्षेप न हो। आज की दुनिया में कुछ बच्चे अपने आस-पास के अंधेरे में, अपनी हंसी को शांत रखने के लिए मजबूर हैं। राष्ट्रपति पुतिन आप अकेले ही इन बच्चों को उनकी प्यारी हंसी वापस कर सकते हैं। इन बच्चों की रक्षा करके आप केवल रूस की ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि आप मानवता की सेवा भी करेंगे।

अपनी बात को खत्म करते हुए मेलेनिया ने कहा, ऐसा साहसिक विचार सभी मानवीय भेदभावों से परे है और आप केवल पेन के एक झटके से इस बात को लागू कर सकते हैं। अमेरिका की प्रथम महिला के इस खत को सार्वजनिक करते हुए अटॉर्नी जनरल पाम बांडी ने लिखा, वह हर अमेरिकी के दिल की बात को कहती हैं और एक ऐसे विश्व का आह्वान कर रही हैं, जहां चाहे कहीं भी पैदा हुए बच्चे शांति के साथ रह सकें।

आपको बता दें कि अलास्का में हुई बैठक के बाद दोनों ही पक्षों ने इस बैठक को उपयोगी करार दिया था। हालांकि दोनों ने किसी समझौते पर पहुंचने से इनकार किया। बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि ज्यादातर मुद्दे सुलझ गए हैं यह अब जेलेंस्की के हाथ में हैं कि वह कैसे करते हैं। इसी बीच यह खबर सामने आई है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की सोमवार को अपने अमेरिकी समकक्ष से मिलने के लिए वाशिंगटन जा रहे हैं।

22 अगस्त को ट्रंप, जेलेंस्की और पुतिन के बीच हो सकती है संयुक्त बैठक, रिपोर्ट्स में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बैठक के बाद यूरोपीय नेताओं से फोन पर बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बातचीत में ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं से कहा कि वे 22 अगस्त तक पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित करना चाहते हैं। पुतिन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की। इस बातचीत में दोनों नेताओं के बीच सोमवार को वॉशिंगटन में मुलाकात करने पर सहमति बनी।

जर्मन चांसलर ने भी त्रि-पक्षीय बैठक के दिए संकेत : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोमवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने की पुष्टि की। अमेरिकी ऑनलाइन मीडिया आउटलेट एक्सियोस के अनुसार, ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को भी सोमवार को व्हाइट हाउस में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शनिवार को कहा कि जेलेंस्की और ट्रंप के बीच सोमवार को होने वाली बैठक के बाद एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन होने की उम्मीद है। हालांकि अभी तक रूस की तरफ से त्रि-पक्षीय बैठक में शामिल होने को लेकर कोई जानकारी या बयान सामने नहीं आया है।

शांति समझौते पर हो रही चर्चा : रूसी समाचार एजेंसी तास ने अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि पुतिन के साथ अपनी बैठक के बाद, ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत में एक शांति समझौते का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत यूक्रेन, रूस को डोनबास क्षेत्र सौंप देगा। वहीं बदले में यूक्रेन और यूरोप दोनों को सुरक्षा गारंटी की पेशकश की जाएगी। 15 अगस्त को अमेरिका के अलास्का में डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक हुई। दोनों नेताओं की बैठक करीब तीन घंटे चली। बैठक के बाद मीडिया बातचीत में ट्रंप ने शिखर वार्ता को बहुत ही उपयोगी बताया था।

हमास के खिलाफ आखिरी जंग का ऐलान, गाजा में इजरायल का नया प्लान तैयार

येरूशलम, एजेंसी। पिछले 22 महीनों से गाजा में चल रहे युद्ध को लेकर अब इजरायली भी परेशान हो गए हैं। युद्धविराम के लिए हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। उधर इजरायली सेना गाजा में नया प्लान तैयार कर रही है। वह फिलिस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में शिफ्ट करने की योजना बना रही है जिससे कि घनी बस्ती वाले इलाकों में हमले किए जा सकें। इजरायली सेना का कहना है कि हमास के बचे-कुचे लड़ाके घनी बस्ती वाले इलाकों में छिपे हुए हैं। ऐसे में हमास को पूरी तरह खत्म करने के लिए इन इलाकों में ऑपरेशन चलाया जाएगा और आम लोगों को दक्षिणी गाजा में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

पहले भी धोखा खा चुके हैं फिलिस्तीनी

इजरायल गाजा में कई बार इस तरह के ऐलान कर चुका है। इजरायली सेना ने जब भी किसी इलाके को खाली करने का आदेश दिया तब अप्रत्याशित हमले भी किए गए।

कई बार ऐसा हुआ कि लोग जहां शिफ्ट हो रहे थे, वहीं बम गिरा दिए गए। ऐसे में फिलिस्तीनियों को इजरायल पर एकदम भरोसा नहीं है। हालांकि हमले के डर से बहुत सारे लोग दक्षिणी गाजा में जाने को तैयार भी हैं।

गाजा में मानवीय सहायता के लिए जिम्मेदार इजरायली सेना के विभाग कोगैट ने कहा कि रविवार से गाजा में टेंट और राहत सामग्री की सप्लाई सुचारु रूप से शुरू हो जाएगी। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा है कि अब गाजा में हमास को हराने की आखिरी जंग जल रही है।

इजरायल की बात करें तो युद्ध से ऊब चुके लोग अब सड़कों पर आ चुके हैं। वहीं बंधकों के परिवारों को डर है कि अगर युद्ध आगे बढ़ता है तो बचे हुए 20 बंधकों के जीवन को भी खतरा हो सकता है। हमास समय-समय पर बंधकों के वीडियो जारी करता है। इससे इजरायली परिवारों में बेचैनी और बढ़ जाती है।

गाजा में भुखमरी की शिकार महिला की इटली में मौत : फिलिस्तीन की उस 20 वर्षीय महिला की मौत हो गई है, जिसे गाजा पट्टी में युद्ध के बीच शारीरिक रूप से बहुत कमजोर हो जाने के कारण इलाज के लिए इटली ले जाया गया था। महिला का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। डॉक्टरों ने बताया कि महिला को बुधवार देर रात पीसा यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में कटर से तिजोरी काटकर 25 करोड़ से ज्यादा के हीरों की चोरी

त्यौहारों के दिनों में सिक्योरिटी गार्ड छुट्टी पर थे और डी.के. एंड सन्स में चोरों ने धावा बोला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

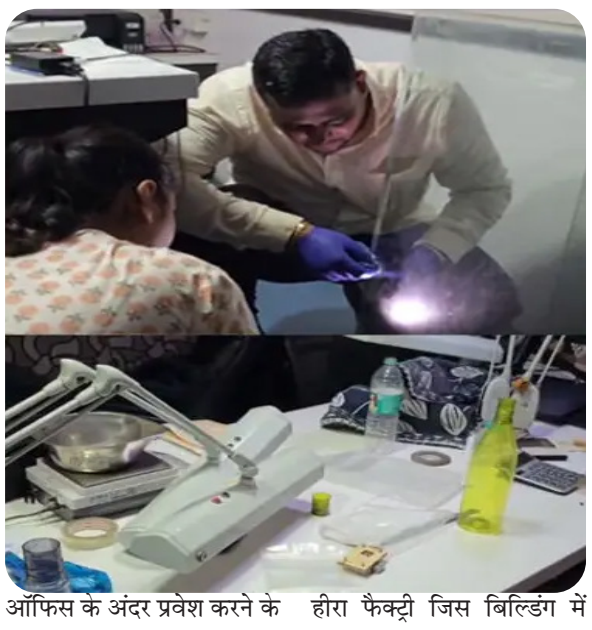

त्योहारों की छुट्टियों में सूरत के कापोद्रा स्थित डी.के. एंड सन्स डायमंड कंपनी में चोरों ने धावा बोला। कंपनी के ऑफिस की तिजोरी को कटर से काटकर 25 करोड़ से ज़्यादा के हीरे, नकदी और साथ ही CCTV-DVR लेकर चोर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही DCP, ACP, शहर क्राइम ब्रांच और स्नस्रु की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

कापोद्रा इलाके में स्थित डी.के. एंड सन्स डायमंड कंपनी में पिछले तीन दिनों की सार्वजनिक छुट्टियों का फायदा उठाकर चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। कापुरवाड़ी स्थित इस हीरा फैक्ट्री की चौथी मंज़िल से रफ हीरे और नकदी चोरी की गई। चोरों ने बहुत चालाकी से पूरी वारदात को अंजाम दिया।

1 सबसे पहले चोरों ने फैक्ट्री के बाहर लगे फायर अलार्म को तोड़ दिया, ताकि गैस कटर का इस्तेमाल करते समय आवाज़ होने पर भी अलार्म न बजे।

2 फैक्ट्री में प्रवेश के लिए सिर्फ एक ही दरवाज़ा था, जिसे तोड़कर चोर अंदर घुस गए।

3 चौंकाने वाली बात यह रही कि उस फ्लोर पर कोई भी CCTV कैमरा नहीं था, जिससे चोरों का काम और आसान हो गया।

इस घटना में डी.के. एंड सन्स डायमंड कंपनी की चौथी मंज़िल पर स्थित फैक्ट्री को टारगेट किया गया था। चोरों ने ऑफिस के अंदर प्रवेश करने के लिए खिड़की के शीशे (कांच) निकाल दिए। उसके बाद चोरों ने तीन लेयर वाली तिजोरी को गैसकटर से काटा। तिजोरी में 12 इंच बाय 10 इंच का छेद किया गया, जिससे साफ पता चलता है कि चोरों के पास गैसकटर जैसे आधुनिक चोरी के उपकरण थे। चोरी वाली जगह पर ऑफिस के बाहर लगा एक कैमरा और ऑफिस के अंदर के दो कैमरे भी चोरों ने निकाल दिए थे, ताकि उनकी पहचान उजागर न हो सके।

पुलिस अब आसपास के इलाके के CCTV फुटेज की जांच कर रही है और फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रही है। इस चोरी में कितने हीरों की चोरी हुई है, इस बारे में अभी तक सटीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, इस घटना ने हीरा उद्योग में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।

DCP आलोक कुमार ने बताया कि, हमें जानकारी मिली है कि हीरा फैक्ट्री जिस बिल्डिंग में है, वहां पिछले तीन दिनों से कोई सिक्योरिटी गार्ड मौजूद नहीं था। तीन दिन की छुट्टियों के कारण उन्हें छुट्टी दी गई थी। इसी मौके का फायदा उठाकर चोरों ने 25 करोड़ से ज़्यादा के हीरों की चोरी को अंजाम दिया। चोरी के दौरान आरोपियों ने वहां लगे CCTV कैमरे तोड़ दिए और DVR भी साथ ले गए, ताकि पुलिस को कोई सबूत न मिले। चोरी की पूरी प्रक्रिया देखकर लगता है कि यह कोई सामान्य चोरी नहीं बल्कि एक सुनियोजित साज़िश है।

चोर केवल हीरे और नकदी ही नहीं ले गए, बल्कि चोरी के कोई सबूत न रह जाएं इसलिए फैक्ट्री के सभी CCTV कैमरों की तोड़फोड़ कर दी और DVR भी उठा ले गए। पुलिस अब आसपास के क्षेत्र के CCTV फुटेज की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों के बारे में कोई जानकारी मिल सके।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, हीरा फैक्ट्री के मालिक 15 तारीख को फैक्ट्री बंद करके गए थे। फैक्ट्री के अंदर एक सेफ लॉकर था, जिसमें कीमती हीरे रखे गए थे। चोरों ने गैसकटर का इस्तेमाल करके लॉकर तोड़ा और उसके अंदर से लगभग 25 करोड़ रुपये के हीरे चोरी कर लिए।

वर्तमान में क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की टीमें मिलकर इस केस की गहन जांच कर रही हैं। इस चोरी में अंतरराष्ट्रीय गैंग का हाथ होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। पुलिस की कई टीमें अलग-अलग शहरों में जांच के लिए भेजी गई हैं और आसपास के इलाकों के अन्य CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

यह चोरी मेन रोड से लगभग 200 मीटर दूर स्थित फैक्ट्री में हुई है। फैक्ट्री तक पहुंचने के लिए पहले मेन रोड से 100 मीटर सीधा जाना पड़ता है, फिर 50 मीटर बाईं ओर मुड़ना पड़ता है और उसके बाद 50 मीटर सीधे जाने पर यह फैक्ट्री आती है। चोरों ने तीन लेयर वाली तिजोरी को गैसकटर से काटा। घटनास्थल से एक लाइटर भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुमान के मुताबिक, इस चोरी को 2 से 3 लोगों ने अंजाम दिया हो सकता है।

इस पूरे मामले में DCP आलोक कुमार ने बताया कि कापोद्रा पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में खोडियारनगर के पास डायमंड की नीलामी का कारोबार चलता है। यहां 15 से 17 तारीख तक छुट्टियां थीं। 15 तारीख की शाम को मालिक कंपनी बंद करके गए थे और 18 तारीख की सुबह जब वे कंपनी पहुंचे, तो पाया कि तिजोरी को गैसकटर मशीन से काटकर चोर रफ डायमंड लेकर फरार हो गए।

DCP ने आगे बताया कि, हम तुरंत यहां पहुंचे और CDR निकाल रहे हैं, साथ ही क्राइम ब्रांच को भी सूचना दे दी गई है। क्राइम ब्रांच की टीम भी यहां पहुंच चुकी है। हम पूरी मेहनत कर रहे हैं ताकि जल्द से जल्द चोरों को पकड़ सकें। मालिक के हिसाब से 25 करोड़ से अधिक का माल चोरी हुआ है। फिर भी हम उनकी रसीदें और दस्तावेज़ वेरिफाई करके FIR दर्ज कर जांच कर रहे हैं।

पुलिस ने कहा कि, "CCTV कैमरे चोरों ने तोड़ दिए और DVR भी लेकर भाग गए। इसलिए अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे अंदर कैसे दाखिल हुए। लेकिन हमें गैसकटर मशीन के निशान मिले हैं और कुछ टाइल्स भी टूटी हुई हैं। इसके आधार पर हम जांच कर रहे हैं कि वे किसी वाहन से आए होंगे। हम आसपास की सड़कों की भी जांच कर रहे हैं।

डी.के. एंड सन्स डायमंड कंपनी के मालिक देवेन्द्र चौधरी ने कहा, ढाई दिन की छुट्टी थी। कंपनी में लगभग 3 मिलियन डॉलर यानी 25 से 30 करोड़ रुपये का माल था। माल एक हफ्ते पहले ही आया था। सुबह नीचे की मंजिल पर रहने वाले किरायेदार ने फोन कर घटना की जानकारी दी। मंदी की वजह से फिलहाल कंपनी में केवल 15 से 20 कर्मचारी ही काम कर रहे थे।

"जब वी मेट" वैवाहिक परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट एवं गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समस्त वैश्य समाज का वैवाहिक परिचय सम्मेलन च्जब वी मेटज्ज का आयोजन रविवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका में किया गया। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटानवाला ने बताया कि सुबह दस बजे से राष्ट्रीय स्तर ओर आयोजित परिचय सम्मेलन में चार सौ से अधिक युवक-युवतियों का परिचय दिया गया एवं बायोडाटा का आदान-प्रधान हुआ।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के सचिव बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर एक पुस्तिका का विमोचन किया गया जिसमे अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन आदि समाज के करीबन सात सौ बायोडाटा प्रकाशित किए गए है। परिचय सम्मेलन का लाभ वैश्य समाज के सभी संगठनों को हुआ।

इस मौके पर परिचय सम्मेलन के मुख्य संयोजक गोकुल बजाज के अलावा अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र अग्रवाल, वसंत अग्रवाल, अशोक सिंघल, सह संयोजक श्यामसुंदर सिहोटिया, सुनील टाटनवाला, पवन झुनझुनवाला, पूर्णमल अग्रवाल, जीवनराम सिंघल, कैलाश कानोड़िया, मनोज अग्रवाल, विश्वनाथ पचेरिया, मुकेश लडिया, अशोक बाजारी, प्रवीण भाऊवाला, गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, जयप्रकाश अग्रवाल के अलावा अग्र मिलन, जैन रिश्ते एवं जय महेश बायोडाटा क्लब आदि के कार्यकरिणी सदस्य उपस्थित रहें।

सूरत के चारकोल रेस्टोरेंट के महिला वॉशरूम में कैमरा

वेंटिलेशन की जाली में सफाईकर्मी ने मोबाइल छुपाया महिलाओं की रिकॉर्डिंग होने की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पाश इलाके पिपलोड स्थित मशहूर चारकोल रेस्टोरेंट से एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। रेस्टोरेंट के महिला वॉशरूम की वेंटिलेशन जाली में गुप्त रूप से मोबाइल फोन रखकर रिकॉर्डिंग कर रहा सफाईकर्मी पकड़ा गया है। घटना तब सामने आई जब एक महिला ग्राहक की नज़र छुपे हुए मोबाइल कैमरे पर पड़ी। उसने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। उमरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी सफाईकर्मी सुरेंद्र राणा की गिरफ्तारी कर ली। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक स्पाय कैमरे का आधा हिस्सा भी बरामद किया गया।

आरोपी के मोबाइल में कई आपत्तिजनक वीडियो और गूगल हिस्ट्री सामने आई है। घटना तब शुरू हुई जब एक महिला ग्राहक वॉशरूम गई। अंदर पहुंचते ही उसकी नज़र ऊपर लगी वेंटिलेशन की जाली पर पड़ी। शक होने पर उसने सावधानी से जांच की और पाया कि वहां एक मोबाइल फोन छुपा हुआ है जिसमें वीडियो रिकॉर्डिंग चालू थी। यह देखकर महिला घबरा गई और जोर से चिल्ला पड़ी, जिससे रेस्टोरेंट में मौजूद लोग इकट्ठा हो गए।

महिला ने तुरंत रेस्टोरेंट मैनेजमेंट को सूचना दी। मैनेजमेंट ने पुलिस को बुलाया और उमरा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर जांच शुरू की। पूछताछ में सामने आया कि पुरुष सफाईकर्मी महिला वॉशरूम की सफाई करते थे। पुलिस ने सभी सफाईकर्मियों से पूछताछ शुरू की तो एक संदिग्ध कर्मचारी पुलिस को देखकर भाग खड़ा हुआ। उसके इस व्यवहार से पुलिस का शक और गहरा गया।

पुलिस ने रेस्टोरेंट के CCTV फुटेज खंगाले। मोबाइल में चल रही वीडियो रिकॉर्डिंग की लंबाई के आधार पर जांच आसान हो गई। फुटेज से पता चला कि आखिरी बार महिला वॉशरूम से बाहर आने वाला सफाईकर्मी सुरेंद्र राणा (उम्र 30, निवासी झारखंड) था। फुटेज में उसका संदिग्ध व्यवहार साफ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने फरार हुए सुरेंद्र राणा को गिरफ्तार कर लिया। वह पिछले दो साल से इसी रेस्टोरेंट में सफाईकर्मी के तौर पर काम कर रहा था और उसका छोटा भाई भी यहां काम करता है।

पुलिस ने सुरेंद्र राणा के घर से स्पाय कैमरे का पिछला हिस्सा भी बरामद किया है, हालांकि कैमरे का मुख्य भाग अभी तक नहीं मिला है। इससे साफ होता है कि आरोपी केवल मोबाइल ही नहीं, बल्कि गुप्त स्पाय कैमरे का भी इस्तेमाल करता था।

पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की गूगल हिस्ट्री चेक की तो उसमें कई पोर्न फिल्में देखने का रिकॉर्ड मिला। यह दर्शाता है कि उसकी मानसिकता विकृत थी और उसने यह कृत्य जानबूझकर किया था। पुलिस अब उसके मोबाइल को स्नस्रु (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) भेज रही है ताकि डिजिटल सबूतों की गहराई से जांच की जा सके। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि स्पाय कैमरे का गायब हिस्सा कहां है और क्या इस पूरे मामले में कोई और भी शामिल है।

इस घटना ने रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने तेज़ी और प्रभावी ढंग से कार्रवाई की है, लेकिन भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए जागरूकता और सख्त कदम उठाना बेहद ज़रूरी है।

त्यौहार पर जुआरियों के खिलाफ 30 केस

सातम-आठम और नोम पर जुआ खेलने की होड़ 175 लोग बने लॉकअप के मेहमान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रावण महीने में सातम-आठम और नोम के अवसर पर सूरत शहर और जिले में जुआ खेलने की धूम रही। पुलिस कार्रवाई में 175 लोग पकड़कर लॉकअप में डाले गए। इन जुआरियों से नकद सहित कुल 17.66 लाख का मुद्दामाल जब्त किया गया। शहर और जिला पुलिस ने कुल 30 केस दर्ज किए। पकड़े गए जुआरियों में 8 महिलाएं भी शामिल थीं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उत्राण के मोटा वराछा स्थित व्रुम कार पार्किंग ऑफिस में पुलिस ने छापा मारकर 13 जुआरियों को पकड़ा। यहां से 70 हजार नकद, 15 मोबाइल फोन और तीन वाहन सहित कुल 4.85 लाख का माल जब्त किया गया। वहीं सरथाणा के आंगण रेसिडेंसी में 8 महिलाएं जुआ खेलते पकड़ाई।

उमरा पुलिस ने जुआरियों को पकड़ने के लिए बनियान पहनकर टेंपो में रेड की। मघदल्ला ओवारा पर रात एक बजे सात जुआरी पकड़े गए और उनसे 52,600 रुपये का माल जब्त किया गया।

सबसे ज्यादा रेड कापोद्रा पुलिस ने की। सात छापों में कुल 53 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और उनसे 2.08 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

अलग-अलग इलाकों से लाखों का मुद्दामाल जब्त

अमरोली पुलिस ने 3 जगह छापा मारकर 18 जुआरी पकड़े और 39 हजार नकद जब्त किया।

उत्राण पुलिस ने 2 जगह छापा मारकर 20 जुआरी पकड़े और उनसे 15 मोबाइल, 3 बाइक समेत 5.14 लाख से ज्यादा का माल बरामद किया।

सिंगणपोर पुलिस ने 2 जगह छापे मारकर 11 जुआरी पकड़े और 60 हजार से ज्यादा का माल जब्त किया।

गोडादरा पुलिस ने 9 जुआरी पकड़कर 15 हजार का माल जब्त किया।

भेस्तान पुलिस ने 3 जुआरी पकड़कर 39 हजार का माल जब्त किया।

महीधरपुरा पुलिस ने 4 जुआरी पकड़कर 11 हजार का माल जब्त किया।

कतारगाम पुलिस ने 4 जुआरी पकड़कर 12 हजार से ज्यादा का माल जब्त किया।

ओलपाड और अन्य गांवों में भी कार्रवाई

ओलपाड पुलिस ने लींडीयात गांव के मार्सेला फार्म हाउस में छापा मारकर 6 जुआरी पकड़े और उनसे नकद सहित 1.63 लाख का माल जब्त किया।

कामरेज के वाव में सर्वेश्वर होम्स, मांडवी के करंज और वाघनेरा गांव से भी जुआरियों को गिरफ्तार किया गया।